

दफ्तरी प्रक्रिया में लंबित न रहें नागरिकों की समस्याएं : सीएम यादव

समाधान ऑनलाइन में सुलझे अनेक लंबित प्रकरण

प्रभारी प्राचार्य निलंबित, 4 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस, बीमा कम्पनी पर अर्थदण्ड

समस्याओं को तत्परता से निराकरण करने वाले जिले और अधिकारियों को दी बधाई

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों की ऐसी

समस्याएं जो बहुत समय से किसी प्रशासनिक प्रक्रिया के कारण लंबित हैं और उससे हितग्राही अपने अधिकार को प्राप्त करने से वंचित हो रहा है तो प्रशासन से जुड़े प्रत्येक अधिकारी का यह दायित्व है कि उस लंबित कार्य का बिना देर किए समाधान निकालें। सीएम हेल्पलाइन लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए संचालित व्यवस्था है। इस हेल्पलाइन और समाधान ऑनलाइन जैसे कार्यक्रमों तक प्रकरण आने की जरूरत ही नहीं होना चाहिए। जिस स्तर पर समाधान संभव है उस समस्या को उसी स्तर पर हल करने पर पूरा प्रयास किया जाए। यह अधिकारियों का दायित्व भी है और जिम्मेदार प्रशासन का प्रत्यक्ष प्रमाण भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित



समत्व भवन में समाधान ऑनलाइन के माध्यम से विभिन्न जिलों के नागरिकों की लंबित

समस्याओं का समाधान कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाइन में आए विभिन्न प्रकरणों में लापरवाही के दोषी एक प्रभारी प्राचार्य के निलंबन, 4 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस देने और बीमा कम्पनी पर अर्थदण्ड लगाने के निर्देश दिये।

अनेक समस्याओं का हुआ समाधान

दुग्ध विक्रय पर प्रोत्साहन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिवनी जिले के पशुपालक श्री कुंदन गिरी गोस्वामी को दुग्ध विक्रय पर प्राप्त होने वाली राशि का भुगतान न होने के प्रकरण में समाधान ऑनलाइन के माध्यम से भुगतान करवाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के माध्यम से प्रदेश

में दुग्ध विक्रेताओं को लाभांशित करने के बारे में जिला स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। जबलपुर दुग्ध संघ को 6 करोड़ रुपए की राशि और ग्वालियर दुग्ध संघ को 2 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई है। प्रदेश में दुग्ध के विक्रय पर 2 से लेकर 6 रुपए तक बोनस देने और नई सहकारी समितियों के गठन की पहल हुई है। दुग्ध संकलन में वृद्धि हुई है। प्रदेश में जहां 934 नई दुग्ध संग्रहण समितियां बनी हैं, वहां लगभग 2.5 हजार दुधारू पशु भी बढ़े हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टरों को जिलों में शिविर लगाकर दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, गौवंश के संरक्षण और सांची ब्रांड को अधिक लोकप्रिय बनाने के प्रयास करने को कहा। स्वरोजगार योजना की ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

इसे ही कहते हैं बेगानी शादी में अब्दुल्ला दिवाना। एक खबरिया चैनल डिबेट के दौरान मौलाना सज्जिद रशीदी ने सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव की धर्म पोल और सपा सांसद डिम्पल यादव पर अभद्र टिप्पणी कर दी। जिसपर खुद डिम्पल यादव और उनके पति परमेश्वर अखिलेश यादव ने तो कोई ऐतराज नहीं जताया लेकिन भाजपाईयों ने इसे एक भारतीय नारी का अपमान करार देते हुए सिर पर आसमान उठा लिया। यह तो मुर्देई सुस्त गवाह चुस्त वाली बात हो गई। यह पीडीए का आपसी मामला है। भाजपाईयों को दूसरे के भटे में टांग अड़ाकर खालीपोली बोम नहीं मारना चाहिए।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी अमेरिका रवाना
रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के वित्तमंत्री ओपी चौधरी सात दिवसीय अमेरिका यात्रा पर रवाना होंगे। इस यात्रा का उद्देश्य अमेरिका में बसे प्रवासी छत्तीसगढ़वासियों से संवाद स्थापित कर उन्हें राज्य के विकास अभियान से जोड़ना है। वित्त मंत्री चौधरी इस दौरान अमेरिका में रह रहे छत्तीसगढ़ी मूल के नागरिकों को प्रदेश के समग्र विकास में भागीदार बनने के लिए प्रेरित करेंगे तथा उन्हें वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में तैयार ' 'छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047' ' से अवगत कराएंगे। वे आगामी एनआरआई शिखर सम्मेलन में प्रवासियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए भी आमंत्रण देंगे। अपनी यात्रा के दौरान मंत्री चौधरी अमेरिका में अध्ययनरत छत्तीसगढ़ी युवाओं से संवाद कर उनके लिए एक सशक्त सपोर्ट सिस्टम के निर्माण की दिशा में सुझाव प्राप्त करेंगे।

प्रीति मांझी युवा कांग्रेस की बनीं राष्ट्रीय सचिव

जीपीएम/नवप्रदेश। गौरिला पेंड्रा मरवाही जिले के एक छोटे से गांव में रहने वाली प्रीति मांझी को कांग्रेस ने बड़ी जवाबदारी देते हुए युवक कांग्रेस का राष्ट्रीय सचिव बनाया है। जिसके बाद से प्रीति को बधाई और शुभकामनाएं देने का सिलसिला धमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रीति मांझी जीपीएम जिले के गौरिला विकासखंड के एक छोटे से गाँव गांगपुर की रहने वाली हैं, प्रीति मांझी को कांग्रेस पार्टी ने युवक कांग्रेस का राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रीति मांझी की इस उपलब्धि ने निश्चित रूप से उनके परिवार का नाम रोशन किया है। वह युवक कांग्रेस में अपनी भूमिका निभाते हुए युवाओं के लिए काम करती रही हैं। आगे भी प्रीति मांझी को अपने क्षेत्र और प्रदेश के साथ देश के लिए अच्छा काम करते हुए कांग्रेस और युवक कांग्रेस को आगे बढ़ाते हुए आगे ले जाने का काम करेंगी। उनकी यह उपलब्धि निश्चित रूप से उन्हें और भी प्रेरित करेगी और वह अपने क्षेत्र के लिए और भी अच्छा काम कर पाएंगी। प्रीति मांझी को युवक कांग्रेस का राष्ट्रीय संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है।

गरमा - गरम

रखद संसद मनोज झा ने टंग को बताया चाचा चौधरी, संसद में निंदा प्रस्ताव पारित करने की मांग

सजग रहें, एहतियात बरतें, वर्षा प्रभावितों के भोजन-पानी, रहवास और दवा सबकी व्यवस्था करें : सीएम यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्टेट कमांड सेंटर पहुंचकर वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में राहत-बचाव कार्य प्रबंधन की समीक्षा की

वर्षा से किसी को कठिनाई न हो, सेवाभाव से सबकी सुरक्षा पर दें विशेष ध्यान

सरकार प्रशासन, सेना, आपदा प्रबंधन दल सब साथ हैं

जरूरी हुआ तो सरकार हेलीकाप्टर से प्रभावितों को एयरलिफ्ट करायेगी

कलेक्टर, एसपी और होमगार्ड कमांडेंट से बचाव कार्यों का लिया अपडेट

अति वर्षा से प्रभावित 2900 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जान-माल की सुरक्षा सर्वोपरि है। जलमग्न क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में जिला एवं पुलिस प्रशासन सहित होमगार्ड, आपदा प्रबंधन दल सब मिल जुलकर पूरी सजगता और सतर्कता से कार्य करें। राहत एवं बचाव दल पूरी तैयारी से रहें और जरूरतमंदों तक तत्काल सभी प्रकार की मदद पहुंचाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को होमगार्ड मुख्यालय स्थित आपदा प्रबंधन कक्ष (स्टेट कमांड सेंटर) पहुंचकर प्रदेश के कई जिलों में



भारी वर्षा के चलते उत्पन्न परिस्थितियों की जानकारी ली और जन सुरक्षा प्रबंधन के संबंध में अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे.एन. कंसोठिया, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, डीजी होमगार्ड सुश्री प्रज्ञा श्रीवास्तव, एडीजी श्री ए. साई मनोहर, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित अन्य अधिकारी भी बैठक में शामिल थे। बताया गया कि प्रदेश में बोते तीन दिनों से भारी वर्षा हो रही है। भारी वर्षा के चलते प्रदेश के कुछ जिलों में गांव और घरों में पानी भर जाने जैसी उत्पन्न परिस्थितियों में अब तक 2900 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। प्रदेश में जहां-जहां अतिवर्षा की सूचना और लोगों के बाढ़ के पानी फंस जाने की जानकारी मिली है, वहां पूरी क्षमता से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाए जा

रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आपदा नियंत्रण कक्ष से जिलों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों का लाइव ऑपरेशन का अवलोकन किया। उन्होंने आपदा बचाव दल में तैनात अधिकारियों से बात की और राहत एवं बचाव कार्यों के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बचाव दल के अधिकारियों से पूछा कि बाढ़ से बचाव में किसी प्रकार के संसाधन की कमी तो नहीं है? अधिकारियों ने बताया कि सभी संसाधन उपलब्ध हैं और प्रशासन के साथ-साथ ग्रामीणों और सिविल सोसाइटी से भी मदद मिल रही है। मुख्यमंत्री ने जलमग्न इलाकों से सुरक्षित निकाले गए पीड़ितों से रू-ब-रू चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों से कहा कि चिंता करने की कोई बात नहीं है, सरकार हर कदम पर आपके साथ है। पीड़ितों के घर, सामान, फसल,

पशु जिसकी भी हानि हुई है, सरकार उसकी समुचित भरपाई करेगी।

जीवन बचाने में मददगारों को पुरस्कृत किया जायेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे सभी तरह का ऐहतियात बरतें। आपदा नियंत्रण के सभी इंतजाम तैयार रखें। बाढ़ आने की स्थिति में तत्काल लोगों का रेस्क्यू करें। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि बाढ़ का पानी कम होते ही जल्द से जल्द नुकसान का सर्वे करा लें और अतिवर्षा तथा बाढ़ से जो भी नुकसान हुआ है, उन्हें समुचित मुआवजा देने के लिए विधिवत् प्रस्ताव तैयार कर लें। सरकार हर बाढ़ पीड़ित की भरपूर मदद करेगी। कलेक्टरों से बताया कि लोगों को बाढ़ प्रभावितों क्षेत्रों से सुरक्षित निकालने में सामाजिक संगठनों ने भी मदद की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावितों को सुरक्षित निकालकर उनका जीवन बचाने में मदद करने वाले लोगों की सूची तैयार कर लें, सरकार ऐसे साहसी, परोपकारी और मददगार लोगों को आगामी 15 अगस्त और अन्य अवसरों पर भी सम्मानित करेगी। इन्हें पुरस्कार भी दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर संभाग के गुना, शिवपुरी, दतिया और अशोकनगर, सागर संभाग के सागर, दमोह, छतरपुर, भोपाल संभाग के विदिशा एवं रायसेन जिले में बाढ़ राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तार से जानकारी ली ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भारी बारिश से पूरे प्रदेश में हाहाकार



चंबल खतरे के निशान से ऊपर, नर्मदा एक फीट नीचे-कई लोग बाढ़ में घिरे, सेना ने सभाला मोर्चा

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में भारी बारिश के चलते कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं। गुना और शिवपुरी में समेत कुछ जिलों में रेस्क्यू के लिए सेना बुलानी पड़ी। शिवपुरी के कोलारस में पचावली गांव में बाढ़ में फंसे 27 स्कूली बच्चों को सेना ने बोट से 30 घंटे बाद सुरक्षित निकाला। भारी बारिश के अलर्ट के चलते शिवपुरी में कल भी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। विदिशा जिले में भी नर्सरी से 12वीं तक स्कूल बंद रहेंगे। नर्मदापुरम में नर्मदा नदी खतरे के निशान 964 फीट से एक फीट नीचे बह रही है। मुरैना में चंबल नदी खतरे के निशान से 3 फीट ऊपर बह रही है। आसपास के गांवों में

अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में बुधवार को भारी बारिश का दौर थमा रहा। जबलपुर में ही 9 घंटे के दौरान सबसे ज्यादा 1 इंच पानी गिरा। वहीं, भोपाल, बैतूल, गुना, ग्वालियर, नर्मदापुरम, इंदौर, पचमड़ी, रायसेन, श्योपुर, उज्जैन, दमोह, मंडला, नरसिंहपुर, नौगांव, सागर, सिवनी, उमरिया, बालाघाट, शिवपुरी समेत 25 से अधिक जिलों में हल्की बारिश का दौर जारी रहा। इधर, भोपाल में सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में बाढ़ और बारिश से बिग? हालातों का जायजा लिया। सीएम ने कलेक्टरों को राहत-बचाव के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये कलेक्टरों की जिम्मेदारी है। लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बाढ़ में फंसे लोगों के रेस्क्यू के लिए रक्षा मंत्रालय से हेलिकॉप्टर सेवा की मदद भी मांगी है। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ऑपरेशन शिवशक्ति : सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया, तीन हथियार बरामद

पुंछ (आईएनएस)। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर एक सफल आतंकवाद-रोधी अभियान चलाया। इस अभियान को 'ऑपरेशन शिवशक्ति' नाम दिया गया है।

इस ऑपरेशन में सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया है, जो सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। इस ऑपरेशन में तीन हथियार भी बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई

सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की सटीक और समन्वित खुफिया जानकारी के आधार पर की गई। व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी है। एक्स पोस्ट में लिखा है, हमारी सतर्क सेना ने सटीक टारगेट के साथ त्वरित कार्रवाई से आतंकियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। यह अभियान बुधवार सुबह शुरू हुआ और अभी भी जारी है।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की रिट याचिका पर फैसला रखा सुरक्षित

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नगदी बरामद होने के आरोपों का सामना कर रहे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की रिट याचिका पर सुनवाई के बाद बुधवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा को सुनो के न्यायाधीश पद से हटाने से संबंधित संसद में महाभियोग प्रस्ताव का जिक्र करते हुए यह भी संकेत दिया कि अदालत इस मामले में हस्तक्षेप करने से बच सकती है।

राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं रेस्क्यू टीमें : सीएम यादव

अशोकनगर में हेलीकाप्टर से राहत और बचाव कार्य जारी

मुख्यमंत्री रख रहे अतिवर्षा में राहत और बचाव कार्यों पर नजर

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि

प्रदेश में जारी भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार पूरी गंभीरता और तत्परता से कार्य कर रही है। संकट की इस घड़ी में सरकार पूरी तरह से प्रदेशवासियों के साथ खड़ी है। बाढ़ प्रभावित जिलों में राहत और

बचाव के कार्य युद्ध स्तर पर चलाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राहत कार्यों को गति देने के लिए राज्य सरकार ने केंद्रीय रक्षा मंत्रालय से सेना के हेलीकॉप्टरों की मांग की है। अशोकनगर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

चेतावनी 8.7 तीव्रता के भूकंप के बाद जापान के कुछ हिस्सों में सुनामी की लहरें

रूस में शक्तिशाली भूकंप के बाद कई देशों में सुनामी की चेतावनी जारी की

बीजिंग (आईएनएस)। रूस के कामचटका प्रायद्वीप में बुधवार सुबह 8.7 तीव्रता के भूकंप के बाद चीन, पेरू और इक्वाडोर सहित प्रशांत महासागर में कई देशों के तटीय इलाकों के लिए सुनामी चेतावनी जारी की गई है। इससे पूरे प्रशांत क्षेत्र में चिंता बढ़ गई है। शक्तिशाली भूकंप का केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्क की शहर से लगभग 119 किमी दूर था, जो रूस का एक शहर है जिसकी आबादी 1.8 लाख के करीब है। इस भूकंप के बाद रूस, जापान, अमेरिका (हवाई और अलास्का), ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और प्रशांत महासागर के कई द्वीप देशों में तुरंत सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई। अधिकारियों ने भूकंप के केंद्र के करीब, खासकर कामचटका प्रायद्वीप में कई इलाकों से तुरंत लोगों को खाली कराने का



काम शुरू कर दिया, क्योंकि वहां 3-4 मीटर (10 से 13 फीट) ऊंची सुनामी लहरों की चेतावनी मिली थी। एहतियात के तौर पर संवेदनशील तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को ऊंचे क्षेत्रों या सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। अधिकारियों का मानना है कि चीन के पूर्वी तटीय क्षेत्रों में सुनामी की लहरें पहुंच सकती हैं, इसलिए

वे इस बारे में गंभीर रूप से चिंतित हैं। राष्ट्रीय संसाधन मंत्रालय ने एक सलाह में बताया कि नवीनतम चेतावनी और विस्तरेणों के आधार पर मंत्रालय के सुनामी सलाहकार केंद्र ने तय किया है कि भूकंप ने सुनामी उत्पन्न की है, जिससे चीन के कुछ तटीय क्षेत्रों को क्षति पहुंचने का खतरा है।

"निवारक निकासी" की घोषणा

पेरू की नौसेना के जल सर्वेक्षण एवं नौबहन निदेशालय ने एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र के विश्लेषण और मूल्यांकन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है कि भूकंप के कारण पेरू के तटीय क्षेत्रों में सुनामी की चेतावनी उत्पन्न हुई है। मैलापागोस द्वीपसमूह के लिए 'निवारक निकासी' की घोषणा की है। जोखिम प्रबंधन सचिवालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र द्वारा विश्लेषण और मूल्यांकन के बाद यह निर्धारित किया गया है कि यह घटना पेरू के तट के लिए सुनामी की चेतावनी है।

5 लाख का इनामी नक्सली ढेर, लॉन्चर सहित विस्फोटक जप्त



सुकमा/नवप्रदेश। सुकमा जिले के केरलापाल थाना क्षेत्र अंतर्गत डॉगिनपारा जंगल में मंगलवार को हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षाबलों ने पांच लाख के इनामी माओवादी कोटला गंगा उर्फ मुचाकी गंगा को मार गिराया है, जो केरलापाल परिया कमेटी में सक्रिय पदाधिकारी था। यह मुठभेड़ सुकमा

और दंतेवाड़ा के सीमावर्ती क्षेत्र में संयुक्त सच ऑपरेशन के दौरान हुई। पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि माओवादी मुवमेंट की पुख्ता सूचना पर सुकमा डीआरजी, एसटीएफ और सीआरपीएफ की टीमें ने संयुक्त अभियान चलाया। मंगलवार सुबह से मुठभेड़ रुक-रुक कर जारी रही, जिसमें अंततः एक वदीधारी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

किसानों, महिलाओं, एसएमएसई और पेशेवरों के लिए नए अवसरों का द्वार खोलता भारत-यूके

नई दिल्ली/ए। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता पर हुए हस्ताक्षर केवल एक कागजी करार नहीं, बल्कि यह 21वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका को और मजबूत करने वाला एक ऐतिहासिक कदम है। यह डील भारत-ब्रिटेन संबंधों में व्यापारिक विश्वास, रणनीतिक समानता और सामाजिक समावेश की वह नींव है जिस पर भविष्य की आर्थिक इमारत खड़ी होगी।

भारत-ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक डील, अपार संभावनाएं
सीईटीए को भारत और ब्रिटेन के बीच अब तक की सबसे बड़ी व्यापारिक डील कहा जा रहा है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब पूरी दुनिया एक अधिक संतुलित, विविध और समावेशी



वैश्विक व्यापार व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। यह सिर्फ बड़े कॉर्पोरेट्स तक सीमित नहीं है, बल्कि यह किसानों, महिलाओं, युवाओं, एमएसएमई और पेशेवरों के लिए नए अवसरों का द्वार खोलता है। यह डील ऐसे वक्त में हुई है जब दुनिया के अनेक हिस्सों में व्यापार संधियों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई

है। ब्रेजिट के बाद ब्रिटेन अपने वैश्विक व्यापार साझेदारों की ओर नए सिरे से देख रहा था और भारत जैसे उभरते बाजार के साथ दीर्घकालिक समझौता उसकी प्राथमिकता में था। वहीं भारत भी 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन के तहत अपने उत्पादों और सेवाओं को वैश्विक बाजार में ले जाने के लिए

किन क्षेत्रों को मिलेगा फायदा?

यह समझौता वस्त्र, आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि उत्पाद, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं और लॉजिस्टिक्स जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों को सीधे लाभ पहुंचाएगा। खास बात यह है कि भारत की ओर से यह सुनिश्चित किया गया है कि एमएसएमई और ग्रामीण उद्योगों को भी इस साझेदारी से लाभ मिले। इसका एक बड़ा अंश यह होगा कि भारत के पारंपरिक और स्थानीय उत्पादों को अब ब्रिटिश बाजार में प्राथमिकता मिल सकेगी, जिससे न केवल निर्यात बढ़ेगा बल्कि ग्रामीण और कुटीर उद्योगों को नई जान भी मिलेगी।

रोजगार और युवा शक्ति के लिए सुनहरा अवसर

यह समझौता न केवल व्यापार बढ़ाएगा, बल्कि इससे भारत के युवाओं को ब्रिटेन में पेशेवर अवसर मिलने का रास्ता भी खुलेगा। दोनों देशों के बीच स्किल डेवलपमेंट और एजुकेशन सेक्टर में सहयोग बढ़ेगा। इससे भारत के तकनीकी विशेषज्ञों, हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स और अन्य क्षेत्रों के युवा ब्रिटेन के कार्यबल का हिस्सा बन सकेंगे।

किसानों और महिलाओं को कैसे मिलेगा लाभ?

भारतीय कृषि उत्पादों- जैसे ऑर्गेनिक चाय, मसाले, और फल-सब्जियों को ब्रिटेन के सुपरमार्केट्स तक पहुंचाने के लिए अब और कम टैक्स और सरल प्रक्रिया लागू होगी। किसानों की आय में प्रत्यक्ष वृद्धि की संभावना है। वहीं महिला उद्यमियों को भी हैब्रीक्रेफ्ट्स, टेक्सटाइल और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में ब्रिटिश बाजार में प्रवेश करने का बड़ा अवसर मिलेगा।

रणनीतिक साझेदारियों की तलाश कर रहा था। इस समझौते ने दोनों देशों की आर्थिक आकांक्षाओं को एक साझा मंच पर लाकर खड़ा कर दिया है।

समावेशी विकास की दिशा में कदम

इस समझौते की खासियत यह है कि यह केवल मुनाफे के आधार पर नहीं, बल्कि समावेशी विकास की सोच पर आधारित है। इसमें पारदर्शिता, पर्यावरणीय सरोकार, और सामाजिक न्याय के सिद्धांत भी शामिल किए गए हैं। ऐसे में यह समझौता टिकाऊ विकास लक्ष्यों की ओर भी एक व्यावहारिक पहल है।

राजनीतिक इच्छाशक्ति की विजय

भारत और ब्रिटेन के बीच इस डील को संभव बनाने में दोनों देशों की

राजनीतिक इच्छाशक्ति और नेतृत्व का दूरदृष्टि की अहम भूमिका रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने इस करार को केवल आर्थिक सौदा न मानकर, इसे एक रणनीतिक साझेदारी के रूप में देखा है, जो दोनों देशों को भू-राजनीतिक स्तर पर भी एक नई ताकत देगा।

क्यों है ऐतिहासिक है यह डील?

भारत-यूके एफटीए का यह नया अध्याय केवल दो देशों के बीच व्यापारिक संबंधों का विस्तार नहीं है, बल्कि यह भारत की आत्मनिर्भरता, वैश्विक नेतृत्व और समावेशी विकास की नीतियों की एक सफल परिणति है। यह समझौता भारत के लिए इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि इससे न केवल आर्थिक लाभ मिलेगा, बल्कि सामाजिक और रणनीतिक रूप से भी यह भारत को मजबूत करेगा।

■ न्यूज गैलरी

ट्रंप ने रूस को दी चेतावनी, 10 दिन में युद्ध खत्म करे, नहीं तो कड़े टैरिफ का सामना

वाशिंगटन (आईएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए 10 दिन की समय सीमा दी है। यह घोषणा उन्होंने स्कॉटलैंड की यात्रा से वाशिंगटन लौटते समय पत्रकारों से बातचीत में की। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर रूस 10 दिन में युद्धविराम पर सहमत नहीं होता, तो अमेरिका रूस पर कड़े टैरिफ और अन्य प्रतिबंध लगाएगा। दो सप्ताह पहले, 14 जुलाई को ट्रंप ने रूस को 50 दिन का समय देते हुए चेतावनी दी थी कि अगर युद्धविराम नहीं हुआ तो रूस को 'कठोर टैरिफ' का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने सोमवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ बैठक के दौरान समय सीमा को घटाकर 10 या 12 दिन कर दिया, तथा मास्को द्वारा समझौता करने की इच्छा न दिखाने- पर निराशा व्यक्त की। इस बयान पर रूस की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कॉव ने मंगलवार को कहा कि रूस ने ट्रंप के बयान पर ध्यान दिया है, लेकिन यूक्रेन में उसका ंविशेष सैन्य अभियान- जारी रहेगा। पेस्कॉव ने यह भी कहा कि रूस शांति प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वह अपने हितों को सुनिश्चित करते हुए ही कोई समझौता करेगा। इस बीच, यूक्रेन में युद्ध की स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। रिव्कार को रूस ने यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी सूची क्षेत्र में ड्रेन और मिसाइल हमले किए, जिसमें चार लोग घायल हो गए। दूसरी ओर, रूसी अधिकारियों ने दावा किया कि उन्होंने 150 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया।

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विदेश मंत्री ने दिया जवाब, बोले-

22 अप्रैल से 16 जून तक पीएम मोदी-ट्रंप में कोई बातचीत नहीं

नई दिल्ली (आईएनएस)। राज्यसभा में बुधवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत की विदेश और रक्षा नीति पर विपक्ष के सवालों का जवाब दिया। जयशंकर ने कहा कि भारत ने निर्धारित लक्ष्यों पर सटीक कार्रवाई की और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दुनिया के किसी भी नेता ने भारत पर दबाव नहीं डाला। इसी दौरान विदेश मंत्री जब संसद में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जवाब दे रहे थे, तभी विपक्षी नेता हंगामा करने लगे। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं को टोकते हुए कहा, 'मैं उनको कहना चाहता हूं, वो कान खोलकर सुन लें। 22 अप्रैल से 16 जून तक, एक बार भी प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि अमेरिका, सऊदी अरब और अन्य देशों से जो भी संवाद हुआ, वह पूरी तरह पारदर्शी और रिकॉर्ड में है। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा



भारत की नई रणनीति राज्यसभा में प्रस्तुत

'न्यू नॉर्मल' और 'कांग्रेस नॉर्मल' की तुलना करते हुए जयशंकर ने पांच बिंदुओं पर आधारित भारत की नई रणनीति राज्यसभा में प्रस्तुत की। चीन-पाकिस्तान संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसा और कहा कि कुछ नेता 'ओलंपिक की कलासरूम' में जाकर चीन का ज्ञान लेकर आए हैं और चीनी राजदूत से 'ट्यूशन' लेते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 2006 में कांग्रेस सरकार ने हूजिंगताओ की यात्रा के दौरान चीनी कंपनियों को 3जी और 4जी जैसे क्षेत्रों में आमंत्रित कर देश की सुरक्षा से समझौता किया।

जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि भारत ने स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान यदि संघर्ष विराम चाहता है, तो उसे हमारे डीजीएमओ चैनल से संवाद

करना होगा। चीन और पाकिस्तान को लेकर विपक्ष पर हमला बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत की कूटनीतिक सफलता इस बात से साबित होती है कि यूपनएसपी में भारत भले ही स्थायी सदस्य न हो, लेकिन सुरक्षा परिषद प्रमुख का बयान भारत के पक्ष में आया। रूस सहित कई देशों ने भारत का समर्थन किया।

उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, 'जो लोग मुंबई हमलों पर चुप रहे थे, आज वे हमें ज्ञान दे रहे हैं।' विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारतीय सेना को किसी के समर्थन की जरूरत नहीं है और उसने आतंकियों के ठिकानों पर खुद ही सफलतापूर्वक कार्रवाई की है। उन्होंने नूर खान एयरबेस सहित कई आतंकवादी और सैन्य ठिकानों पर की गई तबाही का जिक्र करते हुए कहा कि सेना का श्रेय किसी और को देना उसका अपमान होगा।

एसआईआर विवाद: संसद के बाहर विपक्ष ने किया जोरदार विरोध



नई दिल्ली (आईएनएस)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर संसद में लगातार गतिरोध बना हुआ है। बुधवार को कांग्रेस समेत विपक्ष के लगभग सभी दलों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। सोनिया गांधी ने एसआईआर के खिलाफ इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद धर्मेन्द्र यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष कि एसआईआर भाजपा की साजिश है, जिसके जरिए गरीबों, प्रवासी मजदूरों और महिलाओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि इस प्रक्रिया को रद्द किया जाए और संसद में इसके मसूबों को सफ्त नहीं होने

देगा। वहीं, सपा सांसद आनंद भदौरिया ने मांग की कि सरकार चुनाव आयोग से कहे कि एसआईआर प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए और इस पर संसद में चर्चा कराई जाए। सीपीआई (एमएल) के सांसद राजा राम सिंह ने आरोप लगाया कि एसआईआर भाजपा की साजिश है, जिसके जरिए गरीबों, प्रवासी मजदूरों और महिलाओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि इस प्रक्रिया को रद्द किया जाए और संसद में इस पर विस्तृत चर्चा हो।

देश की चुनावी व्यवस्था प्रभावित

सीपीआई सांसद पी. संतोष ने भी एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह विधिबिहार का मुद्दा नहीं है, बल्कि इससे पूरे देश की चुनावी व्यवस्था प्रभावित होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने चुनाव आयोग पर नियंत्रण कर रखा है और इसीलिए यह प्रक्रिया बंद की जानी चाहिए। विपक्ष के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने जवाब देते हुए कहा कि एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है।

देश के 1,65,000 डाकघर 4 अगस्त तक हो जाएंगे डिजिटल

नई दिल्ली (आईएनएस)। देश भर में 86,000 से ज्यादा डाकघर डिजिटल हो गए हैं और इस वर्ष 4 अगस्त तक लगभग 1,65,000 डाकघरों का पूरा नेटवर्क नए प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट हो जाएगा। यह केंद्र सरकार द्वारा भारतीय डाक को एक तकनीक-संचालित, नागरिक-केंद्रित लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स प्रदाता के रूप में पुनर्स्थापित करने के लिए शुरू की गई सुधार पहल का हिस्सा है।



एपीआई इंटीग्रेशन शामिल करना है। उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप, विभाग ने मौजूदा डाकघरों के सेवा क्षेत्रों को कंसोलिडेट करने वाले डेडिक्टेड डिजिटल कॉमर्स इकोसिस्टम के साथ इंटीग्रेशन है। अधिकारियों के अनुसार, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) वॉलेट-आधारित प्रीपेड बुकिंग, केंद्रीकृत ऑर्डर ट्रैकिंग और ओएनडीसी की लेखा प्रणालियों के साथ

स्वचालित मिलान को सक्षम करेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) के साथ अपने सहयोग के माध्यम से, भारतीय डाक भुगतान ट्रैकिंग और कैश-ऑन-डिलीवरी (सीओडी) निपटारा के लिए एपीआई-संचालित स्वचालित मूल्य निर्धारण और केंद्रीकृत डैशबोर्ड प्रदान करेगा।

चरण के दौरान देश भर में कुल 344 डिलीवरी केंद्र शुरू किए गए हैं। इस परिवर्तन के मुख्य संघों में से एक भारतीय डाक की प्रणालियों का प्रमुख नेशनल डिजिटल कॉमर्स इकोसिस्टम के साथ इंटीग्रेशन है। अधिकारियों के अनुसार, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) वॉलेट-आधारित प्रीपेड बुकिंग, केंद्रीकृत ऑर्डर ट्रैकिंग और ओएनडीसी की लेखा प्रणालियों के साथ

निर्देश दिया। उन्होंने इस कार्यक्रम को एक राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में आयोजित करने का आह्वान किया। कृषि विज्ञान केंद्रों को निर्देश देते हुए, चौहान ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, किसानों को तीन किस्तों में ₹6,000 हस्तांतरित किए जा रहे हैं, प्रत्येक किस्त हर चार महीने में जारी की जाती है। इस प्रक्रिया में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने शीघ्र तैयारियां करने का आह्वान किया और कहा कि इस कार्यक्रम को उत्सव और मिशन दोनों के रूप में मनाया जाना चाहिए, क्योंकि यह प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण सुनिश्चित करता है और जन जागरूकता अभियान के रूप में कार्य करता है। केंद्रीय मंत्री ने किसानों से 2 अगस्त के कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया और कहा कि यह योजना से लाभ उठाने और कृषि विकास कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का एक अवसर है।



राज्यसभा: मनोज झा ने कहा पहलगाय आतंकवादी हमला देश की सामूहिक पीड़ा

नई दिल्ली (आईएनएस)। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा ने पहलगाय आतंकवादी हमले को देश की सामूहिक पीड़ा बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल हमले में मारे गए 26 व्यक्तियों के परिवारों की पीड़ा नहीं, बल्कि पूरे देश की पीड़ा है। मनोज झा ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि एक परिष्कृत लोकतंत्र में यह अंतर स्पष्ट होना चाहिए कि सैन्य सेवा और

राजनीतिक नेतृत्व अलग-अलग चीजें हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा में प्रधानमंत्री को सरकार का पक्ष रखना चाहिए था, लेकिन पीएम ने कहा कि वे भारत का पक्ष रखने सटन में आए हैं। झा ने कहा कि हमने एएनएसकार से किए हैं, हमारा प्रश्न भारत माता से नहीं है, न ही सेना से। मनोज झा ने कहा कि 'गवर्नमेंट एन नॉट द नेशन' सिंदूर पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि एक परिष्कृत लोकतंत्र में यह अंतर स्पष्ट होना चाहिए कि सैन्य सेवा और

लोकसभा डिजिटल समाचार प्रकाशकों और ऑनलाइन क्यूरेटेड सामग्री के प्रकाशकों के लिए आचार संहिता का प्रावधान

अश्लील और असंवेदनशील सामग्री वाले 43 ओटीटी प्लेटफॉर्म ब्लॉक : वैष्णव

नई दिल्ली (आईएनएस)। केंद्र सरकार ने बुधवार को संसद की सूचित किया कि अश्लील, अश्लट, हिंसक या सांस्कृतिक रूप से असंवेदनशील सामग्री के प्रसार को रोकने और कानूनी एवं नैतिक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अब तक 43 ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म ब्लॉक किए गए हैं।



सरकार ने आईटी अधिनियम, 2000 के तहत 25 फरवरी 2021 को सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया, आचार संहिता) नियम, 2021 को अधिसूचित किया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बताया, नियमों के भाग-

25 ओटीटी प्लेटफॉर्म तक पब्लिक एक्सेस को बंद करने का निर्देश केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, संबंधित मंत्रालयों के साथ उचित परामर्श के बाद अब तक 43 ओटीटी प्लेटफॉर्म को ब्लॉक कर दिया गया है। गैरकानूनी और अश्लील सामग्री पर नकेल कसने के लिए, सरकार ने पिछले सप्ताह इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को उल्लू, एलटीटी और देसीपिलक्स जैसे बड़े और लोकप्रिय नामों सहित 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म तक पब्लिक एक्सेस को बंद करने का निर्देश दिया। इस कदम का उद्देश्य ऐसी सामग्री के विपार पर अंकुश लगाना था, जिसे यौन रूप से स्पष्ट और भारतीय कानूनी व सांस्कृतिक मानकों का उल्लंघन करने वाला माना जाता है। प्रतिबंधित ऐस में बिग थॉट्स ऐप, बूलेक्स, नवरेखा लाइट, गुलाब ऐप, कंगन ऐप, बुल ऐप, जलवा ऐप, वाउ एंटरटेनमेंट, लुक एंटरटेनमेंट, हिटाइडम, फेनेओ, शोएक्स, सोल टॉकी, अड्डा टीवी, हॉटएक्स वीआईपी, हलचल ऐप, मूडएक्स, नियोनएक्स वीआईपी, फ्लूी, मोजपिलक्स और ट्राइपिलक्स शामिल है।

संबंधित चित्रण से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, ओटीटी प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए आयु-अनुचित सामग्री को प्रसारित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय लागू करने के लिए भी बाध्य हैं, जिसमें पर्याप्त पहुंच

नियंत्रण उपाय शामिल हैं। इसके अलावा, आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 79(3)(बी) में संबंधित सरकारों द्वारा मध्यस्थों को गैरकानूनी कार्य या सामग्री की सूचना देने का प्रावधान है ताकि ऐसी सामग्री तक पहुंच को असक्षम किया जा सके। सरकार ने ओटीटी

प्लेटफॉर्म और ओटीटी प्लेटफॉर्म के स्व-नियामक निकायों को अपने प्लेटफॉर्म पर सामग्री की मेजबानी करते समय भारतीय कानूनों और आईटी नियम, 2021 के तहत निर्धारित आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने के लिए पहले ही एक सलाह जारी कर दी है।

इसके लिए पात्र हैं। हालांकि, चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को छोड़कर अन्य सरकारी सेवक, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र की उपक्रमों के कर्मचारी शामिल हैं, इन पुरस्कारों के लिए पात्र नहीं हैं। गृह मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं या अन्य योग्य व्यक्तियों को नामांकित करें, खासकर महिलाओं, कमजोर वर्गों, अनुसूचित जातियों, जनजातियों, दिव्यांग व्यक्तियों और निस्वार्थ समाज सेवा करने वालों को।

सभी के लिए खुला अवसर

पद्म पुरस्कारों के लिए जाति, व्यवसाय, पद या लिंग का कोई भेदभाव नहीं है, और सभी व्यक्ति



न्यूज गैलरी

भोपाल में बीजेपी नगर और जिला अध्यक्षों की बैठक : खंडेलवाल बोले- कार्यकर्ता भाव से संगठन विस्तार में जुटें



इंदौर/नवप्रदेश। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल बुधवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पार्टी के जिला और नगर अध्यक्षों की बैठक ली। इस बैठक में शामिल होने के लिए इंदौर के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा भी भोपाल पहुंच हैं। बैठक के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कि मध्य प्रदेश में बूथ-बूथ पर संगठन को सशक्त करने के साथ ही भाजपा आज जन-जन के बीच लोकप्रिय है। इसके पीछे हमारे संगठन तंत्र की शक्ति है। आइए सभी मिलकर कार्यकर्ता भाव के साथ संगठन के विस्तार में जुटें। बीजेपी सूत्रों का कहना है कि प्रदेश अध्यक्ष ने सभी अध्यक्षों को कार्यकारिणी की सूची लेकर बुलाया था। यह कवायद नगर और जिला कार्यकारिणी के गठन को लेकर की जा रही है। पांच दिन पहले नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने सभी विधायकों से दो-दो नाम मांगे थे, लेकिन शनिवार तक कहीं से नाम नहीं आए।आखिर मिश्रा ने रविवार और सोमवार में सभी से कार्यकर्ताओं के नाम लेकर सूची तैयार की है। बता दें, शनिवार को क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने इंदौर में प्रत्येक विधानसभा से वन-टू-वन चर्चा की थी। हालांकि, इसे संगठनात्मक बैठक बताई गई थी, लेकिन इसका मकसद निगम, मंडल, प्राधिकरण और कार्यकारिणी की नियुक्ति से जोड़कर देखा जा रहा है। बीजेपी सूत्र बताते हैं कि संगठन ने नगर और जिला कार्यकारिणी की घोषणा की तैयारी कर ली है। बताया जा रहा है कि अगस्त के पहले हफ्ते में इंदौर नगर कार्यकारिणी की घोषणा हो जाएगी। इसके साथ ही जिला कार्यकारिणी की घोषणा होने की भी संभावना है। सूत्र बताते हैं कि नगर और जिला कार्यकारिणी की घोषणा भोपाल से ही की जाएगी। सूत्रों का कहना है कि इस बार नगर कार्यकारिणी पिछली बार से छोटी रहेगी। बीजेपी संगठन से जारी हुई गाइडलाइन के अनुसार इस बार नगर अध्यक्ष को मिलाकर 90 लोगों की टीम तैयार की जा रही है। जिसमें 8 उपाध्यक्ष, 3 महामंत्री, 8 मंत्री और 1 कोषाध्यक्ष रहेंगे। इंदौर बीजेपी नगर कार्यकारिणी में पिछली बार 11 उपाध्यक्ष, 12 नगर मंत्री थे। पिछली बार सदस्यों की संख्या 82 थी। नगर कार्यकारिणी में इस बार महिलाओं की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया है। पिछली बार जहां इंदौर नगर कार्यकारिणी में 24 महिलाओं को स्थान दिया गया था, वहीं इस बार टीम में 36 से ज्यादा महिलाओं को स्थान देने की बात कही गई है। गाइडलाइन के अनुसार इस बार कार्यकारिणी में 90 सदस्यों में से 36 महिलाएं होना चाहिए, जिसमें भी 6 महिलाएं अजा और अजजा वर्ग से होना चाहिए। पिछली बार सदस्यों में इनकी संख्या 18 ही थी। नगर पदाधिकारियों में इस बार महिलाओं की संख्या 9 होना चाहिए। जिसमें 2 महिलाएं अजा और अजजा वर्ग से होना जरूरी है। पिछली बार नगर पदाधिकारियों में इनकी संख्या 6 थी। गाइडलाइन में नगर कार्यकारिणी में कोषाध्यक्ष, नगर कार्यालय मंत्री और मीडिया संयोजक को रिपीट करने को कहा गया है। हालांकि यह भी गाइडलाइन में कहा है कि इन तीनों ही पदों पर परिवर्तन तब ही किया जाए जब बहुत ही आवश्यकता लगे। बीजेपी सूत्रों की मानें तो कोषाध्यक्ष गुलाब सिंह ठाकुर और मीडिया संयोजक रितेश तिवारी व नितिन द्विवेदी को रिपीट किया जाना लगभग तय है। बीजेपी नगर कार्यकारिणी में पिछली बार 11 उपाध्यक्ष और 12 नगर मंत्री बनाए गए थे। जिनमें से अधिकांश रिपीट हूए थे, लेकिन इस बार किसी के भी रिपीट होने की संभावना बहुत कम है। बताया जा रहा है कि 8 बीजेपी उपाध्यक्ष और 8 नगर मंत्री नए चेहरों को ही बनाया जाएगा।

लव-इग्स जिहाद : सारिक मछली के भाई शाहवर पर दुष्कर्म का केस दर्ज, यासीन भी आरोपी; तब नाबालिग थी पीड़िता

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में इग्स तस्करी के आरोपी शाहवर और यासीन मछली पर एक युवती ने दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया है। शाहवर ने 2018 में उसके साथ दुष्कर्म किया था, उस समय पीड़िता नाबालिग थी एमडी इग्स तस्करी के आरोप में गिरफ्तार यासीन मछली और उसके चाचा शाहवर मछली पर एक और गंभीर मामला दर्ज किया गया है। एक पीड़िता की शिकायत पर शाहवर मछली के खिलाफ भोपाल महिला थाना में दुष्कर्म, धमकी और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। वहीं, यासीन मछली को इस मामले में सह-आरोपी बनाया गया है। पीड़िता ने यासीन पर धमकाने का आरोप लगाया है। शाहवर के खिलाफ दुष्कर्म का और यासीन के खिलाफ अपहरण, छेड़छाड़, मारपीट और अड़िबाजी जैसे कुल तीन मामले दर्ज हो चुके हैं। 25 वर्षीय पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2018 में शाहवर मछली ने उसे कमरे में बंद कर दुष्कर्म किया था। उस समय वह नाबालिग थी। शाहवर ने उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया और बाद में ब्लैकमेल करता रहा। पीड़िता ने बताया कि उसकी शाहवर से पहली मुलाकात शहर के एक हक्का लाउज में हुई थी। वहीं से दोस्ती बढ़ी और बाद में शाहवर उसे पंजाबी बाग स्थित एक कमरे में ले गया था, जहां उसने दुष्कर्म किया। क्राइम ब्रांच सूत्रों के अनुसार, यासीन मछली और शाहवर मछली से पूछताछ में दर्जनों पब और रेस्टोरेंट्स की जानकारी मिली है, जहां यासीन इग्स की आपूर्ति करता था। यासीन ने भोपाल के कई प्रमुख क्लबों में ‘डीजे’ की आड़ में इग्स सप्लाई की थी। पुलिस ने भोपाल और आसपास सक्रिय करीब दर्जन बार इग्स पैडलरों की पहचान कर ली है, जिनके खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाएगी। यासीन द्वारा अवैध हथियारों की आपूर्ति के

भोपाल-इंदौर में बिना हेलमेट 1 अगस्त से नहीं मिलेगा पेट्रोल

डीलर्स बोले : कार्रवाई सिर्फ पंप पर क्यों ?

भोपाल में सड़क हादसों को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने नया नियम लागू किया है। अब 1 अगस्त से बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल नहीं मिलेगा।

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल और इंदौर में अब बिना हेलमेट के टू व्हीलर्स चालकों को पेट्रोल नहीं मिलेगा। सीएनजी पंप पर भी गैस नहीं भरी जाएगी। भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह और इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने बुधवार को यह आदेश जारी किए। जिले में सड़क हादसों के मद्देनजर यह आदेश जारी किया गया है।

बता दें भोपाल में कुल 192 पेट्रोल पंप हैं। जहां हर रोज पेट्रोल और डीजल की खपत 21 लाख लीटर है। इनमें से आधी से ज्यादा



पेट्रोल की खपत होती है। इन पर अब बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। यानी, मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य हो गया है।

कलेक्टर के आदेश में कहा गया है कि इस संबंध में समय-समय पर केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा भी निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मप्र मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा-129 में

स्पष्ट प्रावधान है कि प्रत्येक दो पहिया वाहन सवारी और वाहन चालक अनिवार्य रूप से आईएसआई मार्क हेलमेट (सुरक्षात्मक टोप) पहनेगा। बिना हेलमेट पहने टू व्हीलर्स चलाने

से हादसे की संभावना बनी रहती है। हेलमेट से जान काफी हद तक बच सकती है। कलेक्टर ने एकपक्षीय आदेश पारित किया है।

इन्हें मिलेगी छूट

प्रतिबंध मेडिकल संबंधी मामलों व आकस्मिक स्थिति में लागू नहीं होगा। यह प्रतिबंध अन्य किसी नियम/आदेश के प्रतिबंध के अतिरिक्त होगा। यह आदेश 1 अगस्त-25 से लागू होगा और 29 सितंबर-25 तक की अवधि में प्रभावशील रहेगा। इसका उल्लंघन करने वाले व्यक्ति, संस्था और संचालक के विरुद्ध भारतीय न्याय सहिता-23 की धारा 223 के अंतर्गत कार्रवाई की जा सकेगी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर दोपहिया वाहन बिना हेलमेट के चलाने से न सिर्फ चालक की जान खतरे में रहती है,

बल्कि दूसरों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है। इस कारण हेलमेट पहनना जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिता 2023 की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी। हालांकि यह आदेश मेडिकल आपात स्थिति और आपदा की स्थिति में लागू नहीं होगा।

बिना हेलमेट पहनकर आने वालों पर क्या कार्रवाई होगी?

पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन बिना हेलमेट के पेट्रोल देने पर पंप संचालक पर तो कार्रवाई करेगी, लेकिन जो पेट्रोल ले रहा है, उस पर क्या कार्रवाई होगी? सड़क पर पुलिस बिना हेलमेट वाले मोटरसाइकिल चालकों को नहीं पकड़ पा रही है। इस पर भी सख्ती से कार्रवाई होनी चाहिए।

सीएम यादव बीएसएल ग्लोबल आउटरीच समिट- 2025 में करेंगे सहभागिता

मध्यप्रदेश को वैश्विक टेक्सटाइल मानचित्र पर स्थापित करने दिल्ली में 31 जुलाई को होगी समिट



भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार 31 जुलाई को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम बीएसएल ग्लोबल आउटरीच समिट-2025 में सहभागिता करेंगे। यह टेक्सटाइल और अपैरल उद्योगों का एक महत्वपूर्ण दो दिवसीय वैश्विक आयोजन है। ये समिट भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करेगी। इस समिट में वैश्विक उद्योग जगत के निवेशक सहभागिता करेंगे। यह समिट वैश्विक सोसिंग और खरीद समुदाय की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप, सप्लाई चेन के प्रमुख हितधारकों को एक मंच प्रदान करेगी।

गुंडागर्दी पर भाजपा संगठन सख्त, विधायक को चेतावनी, प्रदेश अध्यक्ष बोले-अगली गलती की जिम्मेदारी आपकी

भोपाल/नवप्रदेश। इंदौर-3 से विधायक गोल्ड शुक्ला के बेटे की हालिया हरकतों को लेकर भाजपा संगठन ने सख्त रुख अपनाया है। बेटे रूद्राक्ष द्वारा उज्जैन के महाकाल मंदिर और देवास के चामुंडा मंदिर में पुजारियों के साथ की गई बदसलूकी पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और संगठन महामंत्री हितानंद ने मंगलवार को विधायक शुक्ला को पार्टी कार्यालय बुलाकर फटकार लगाई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने दो दूक कहा कि यदि अगली बार बेटे ने ऐसा कोई



कृत्य किया, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी आपकी होगी।

संगठन ने दो बार मंदिरों में हुए विवाद को गंभीरता से लिया है। महाकाल मंदिर में रूद्राक्ष द्वारा जबरन गर्भगृह में प्रवेश करने की कोशिश और चामुंडा टेकरी पर पुजारी से मारपीट की घटनाएं भाजपा नेतृत्व की नजर में अनुशासनहीनता की श्रेणी में रखी गई हैं। 21 जुलाई को महाकाल मंदिर में गर्भगृह में घुसने को लेकर विवाद हुआ, जबकि कुछ माह पहले देवास की चामुंडा माता टेकरी पर भी विधायक के बेटे द्वारा पुजारी से मारपीट का मामला सामने आया था। इन दोनों घटनाओं से

संगठन ने दो बार मंदिरों में हुए विवाद को गंभीरता से लिया है। महाकाल मंदिर में रूद्राक्ष द्वारा जबरन गर्भगृह में प्रवेश करने की कोशिश और चामुंडा टेकरी पर पुजारी से मारपीट की घटनाएं भाजपा नेतृत्व की नजर में अनुशासनहीनता की श्रेणी में रखी गई हैं। 21 जुलाई को महाकाल मंदिर में गर्भगृह में घुसने को लेकर विवाद हुआ, जबकि कुछ माह पहले देवास की चामुंडा माता टेकरी पर भी विधायक के बेटे द्वारा पुजारी से मारपीट का मामला सामने आया था। इन दोनों घटनाओं से

एमपी की ईवीएम शेयरिंग पॉलिसी सभी राज्य करेंगे लागू

देश भर के राज्य निर्वाचन आयुक्तों की स्टैंडिंग कमेटी की मीटिंग में लिया फैसला



भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग की ईवीएम शेयरिंग पॉलिसी को सभी राज्यों में लागू किया जाएगा। इस पॉलिसी के जरिए एमपी के आयोग द्वारा दूसरे राज्यों को चुनाव के लिए किराए पर ईवीएम दी जा रही है। यह निर्णय राज्य निर्वाचन आयुक्तों की स्टैंडिंग कमेटी की वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई बैठक में लिया गया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने एमपी की ईवीएम शेयरिंग पॉलिसी को सभी राज्यों में लागू किया है। राज्य निर्वाचन आयुक्तों की स्टैंडिंग कमेटी की वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई बैठक में ईवीएम की पुलिस, शेयरिंग पर चर्चा हुई। बैठक में राज्य निर्वाचन आयोग मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, बिहार, झारखंड, राजस्थान,

महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली एवं सिक्किम के राज्य निर्वाचन आयुक्तों ने भाग लिया। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार श्रीवास्तव ने राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार की गई ईवीएम शेयरिंग पॉलिसी तथा अन्य राज्य को किराये पर दी जाने वाली ईवीएम के

बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पॉलिसी के आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग को 3000 ईवीएम किराये पर दी गई है। जम्मू-कश्मीर एवं महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग को ईवीएम किराये पर दिए जाने के लिए एमओयू किया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग उत्तरा खण्ड और गुजरात से भी एमओयू

किया जाना है। सिक्किम राज्य निर्वाचन आयोग ने भी इस संबंध में आग्रह किया है।

पोर्टल में जानकारी देंगे ईवीएम और मतपेटियों की

स्टैंडिंग कमेटी द्वारा एमपी के राज्य निर्वाचन आयोग की ईवीएम शेयरिंग पॉलिसी को मान्य किया गया एवं इस पॉलिसी को सभी राज्यों में लागू करने पर सहमति दी गयी। राज्य निर्वाचन आयुक्तों की स्टैंडिंग कमेटी ने यह भी निर्णय लिया कि सभी राज्य निर्वाचन आयोग उनके पोर्टल में उपलब्ध ईवीएम व मतपेटियों की जानकारी उपलब्ध करायेंगे। साथ ही राज्य में होने वाले स्थानीय निकायों (पंचायत व नगरपालिका) के निर्वाचन कार्यक्रमों की संभावित तिथियों को शेयर करेंगे, जिससे राज्यों द्वारा ईवीएम शेयरिंग करने की सुविधा रहे।

तकनीकी शिक्षा मंत्री परमार ने की विभागीय समीक्षा बैठक

आईआईटी की तर्ज पर एमपी आईटी की स्थापना करने पर जोर भोपाल/नवप्रदेश। उच्च



शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष में तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की। मंत्री श्री परमार ने आईआईटी की तर्ज पर एमपीआईटी की स्थापना के सम्बन्ध में व्यापक चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री श्री परमार ने अनुदान प्राप्त संस्थानों के समय पर ऑडिट किए जाने के निर्देश भी दिए। बैठक में कोडिंग लैब्स, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, डिजिटल यूनिवर्सिटी एवं राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय को लेकर भी विस्तृत

चर्चा की गई। भर्तियां, पदपूर्ति एवं पदोन्नति के सम्बन्ध में भी विमर्श हुआ। श्री परमार ने पॉलीटेक्निक

एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में एडमिशन की अद्यतन जानकारी भी प्राप्त की। बैठक में प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा श्री विवेक पोवाल एवं आयुक्त तकनीकी शिक्षा श्री अवधेश शर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।



सुविचार

इंसान भी एक तरह का सांप ही है जिसकी पूरी जिंदगी बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल आदि के बिल भरने में ही गुजर जाती है। - अज्ञात

पहलगाम हमले के गुनाहगारों का हिसाब

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के गुनाहगारों का हिसाब होना शुरू हो गया है। इस आतंकी हमले में शामिल तीन आतंकवादी मारे गये हैं। जिनमें से दो पाकिस्तानी है और एक मुख्य आरोपी हासिम मूशा भी शामिल है इनके पास से अमेरिकी में निर्मित हथियार भी बरामद हुए हैं साथ ही ऐसे सबूत भी मिले हैं जिससे यह साबित होता की ये आतंकवादी पाकिस्तानी हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र की ताजी रिपोर्ट में भी इस बात का खुलासा हो गया है कि कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के तार पाकिस्तान से जुड़े हुए हैं और इस हमले की साजिश सीमा पार रावल पिंडी में रची गई थी। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी कुख्यात आतंकी संगठन टीआरएफ में एक बार नहीं बल्कि दो बार ली थी और टीरआएफ का लश्कर-ए-तैयबा में है। इस रिपोर्ट में यह दावा भी किया गया है कि लश्कर की मदद के बिना पहलगाम में आतंकी हमला संभव ही नहीं था। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के बाद अब इस बात में कोई संदेह नहीं रह गया है की पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान का ही हाथ है। भारत की उन विपक्षी पार्टियों को भी अब इसपर विश्वास कर लेना चाहिए कि पहलगाम की आतंकी घटना पाकिस्तान के इशारे पर ही अंजाम दी गई थी। हालांकि भारत सरकार शुरू से यह कह रही है लेकिन विपक्ष को सरकार की बात पर भरोसा ही नहीं है। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने तो दो दिन पहले ही यह बयान दिया था कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का सबूत सामने नहीं आया है। अन्य विपक्षी पार्टियों के नेता भी एक तरह से पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का काम करते रहे हैं और उनके बयान पाकिस्तानी मीडिया में सुर्खियां बनते रहे हैं। संसद के मानसून सत्र में आपरेशन सिंदूर हुआ है, वहीं चर्चा के दौरान भी सरकार की ओर से इस बारे में विपक्ष द्वारा उठाये गये तमाम सवालों का जवाब दे दिया गया है। किन्तु सरकार के बदले विदेशी नेताओं और एजेंसियों के झूठ पर भरोसा करने वाले विपक्ष को अब संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट पर तो यकीन दिखाना ही चाहिए और आपरेशन सिंदूर को लेकर व्यर्थ का बवाल खड़ा नहीं करना चाहिए। वैसे भी पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर अभी सिर्फ स्थगित हुआ है। खत्म नहीं हुआ है। भारतीय सेना की सतर्कता के चलते बुधवार को कश्मीर में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को सेना ने जहन्नूम रसीद कर दिया है। जाहिर है पाक अभी भी नापाक इरादों से बाज नहीं आ रहा है ऐसे में उसके खिलाफ आपरेशन सिंदूर पार्ट 2 कभी भी शुरू हो सकता है।

पंचायत सचिव ने निकाली विधायक की हेकड़ी

बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के एक विधायकत भाई विरेन्द्र की सारी हेकड़ी एक पंचायत सचिव ने निकालकर रख दी। यह मामला बिहार के राजनीतिक गलियारों में चटखारेदार चर्चा का विषय बन गया है। राजद विधायक भाई विरेन्द्र ने एक पंचायत सचिव संदीप कुमार को मोबाइल करने जमकर हड़काया और उसे जुता मारने की बात कही यही नहीं बल्कि विधायक से जुवानदाराजी करने वाले उक्त पंचायत सचिव को इसका अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। किन्तु पंचायत सचिव पर विधायक की घाँस पटटी का कोई असर नहीं पड़ा और उसने थाने में जाकर उक्त विधायक के खिलाफ एसटी एससी एक्ट के तहत जुर्म दर्ज करा दिया है। इस घटना से साबित हो गया है कि नेता और नौकरशाह दोनों ही मगरू्र हो गये हैं। खासतौर पर बिहार में तो कोई किसी से कम नहीं है। विधायक भाई विरेन्द्र ने एक सरकारी कर्मचारी के साथ जो अभद्रता की है उससे यह स्पष्ट हो गया है कि वे इसी तरह सभी के साथ हेकड़ी दिखाते हैं वहीं पंचायत सचिव संदीप कुमार ने भी विधायक के साथ जुवानदारी कर यह प्रमाणित कर दिया है कि वह अदना सा पंचायत सचिव जब विधायक के साथ इस तरह पेश आ सकता है तो आम जनता के प्रति उसका व्यवहार कैसा होगा। देखना दिव्यचम्य होगा कि इस घटना को लेकर बिहार का शासन प्रशासन किसके खिलाफ कैसी कार्यवाही कर पाता है।

सद्गुरु बोधामृतम्

◆ एक दूसरे के जो तकनीक है उनके जीवन में उनका सम्मान करो। जो जिस सेवा में पारंगत है उसका सम्मान करो।

सद्गुरु श्री ऋतेश्वर
◆ साय्‍यवाद का सिद्धांत है बड़ों को छोटा करो और छोटों को बड़ा करो। परम्पिता का सिद्धांत है बड़ों को और बड़ा और छोटों को बड़ा करना। मेरे गुरु जी का सिद्धांत है यहां किसी को छोटा नहीं करना किसी को छोटा करके बड़ा नहीं बना जा सकता; बड़ा बनने की एक्‌ वर‍्षत होती है, सब बड़े बनें ! सब बड़े बनें ! सब समर‍ष्ट बनें सम्मान करो ! मानव धन जो खोए हुए हो उन्हें फिर से प्राप्त करो
◆ अमश्रत की गोद में बैठ कर विष की तरह बन गए हो ! क्यों कैसे हुआ ये परिवर्तन ? उठो, जागो ! किसी श्रेष्ठ महापुरुष की उंगलियां पकड़ के अब व चलना शुरू करो।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1६58 उत्तराधिकार के युद्ध में अपने भाइयों को पराजित करने के बाद, औरंगजेब ने छठे मुगल सम्राट का ताज पहनाया। 1703 अंग्रेजी के लेखक डेनियल डेफे को एक चर्च के राजनीतिक रूप से व्यंग्य करते हुए हाई चर्च टायर्स को प्रकाशित करने के बाद एक स्तंभित विदेशी परिवार में रखा गया था। 1737 वेल्स के राजकुमार प्रेड्रिक ड्रिंग्लिश कोर्ट से भाग निकला। 1741 बवारिया के चार्ल्स अल्बर्ट ने ऊपरी ऑस्ट्रिया और बोहेमिया पर हमला किया। 1777 दूसरी कॉन्टिनेंटल कांग्रेस ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें एक महापुभाव मार्किंस डी लाफयेट को एक मेजर जनरल के रूप में अमेरिकी क्रांतिकारी में प्रवेश करने की अनुमति दी गई। 1788 मेरीलैंड अमेरिकी संविधान की पुष्टि करने वाला सातवां राज्य बना। 1822 एडिनबर्ग में आखिरी सार्वजनिक फाँसी दी गयी। 1८48 फ्रांस ने अपने उपनिवेशों से आखिरी गुलामों को भी मुक्त किया। 1855 अमेरिका के पहले पशु चिकित्सा

राशि फल



पं. देवव्रत शर्मा

आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको बड़ों की बातों को पूर्ण ध्यान देना होगा। आपको धन से संबंधित यदि कोई समस्या थी, तो वह भी दूर होगी।
मिथुन: आज आपके चारों ओर का वातावरण सुधरनुमा रहेगा। नौकरी में कार्यरत लोगों के ऊपर काम का दबाव रहने से थोड़ी टेंशन बनी रहेगी।
कर्क: आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए अच्छ रहने वाला है। मन में किसी काम को लेकर टेंशन बनी रहेगी।
सिंह: आज का दिन आपके लिए आनंदमय

होगा। आपको एक साथ कई काम हाथ

रहने वाले हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल सुशुनुमा रहेगा।

कन्या: आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। कुछ नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा।

तुला: आज का दिन व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए थोड़ा सावधान रहने के लिए रहेगा, क्योंकि आपसे कोई गलती हो सकती है।

वृश्चिक: आज आप किसी से धन उधार लेने से बचे और आपको किसी विपरीत परिस्थिति में भी धैर्य बनाए रखना होगा।

धनु: आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी।

मकर: आज का दिन आपके लिए किसी बड़े लक्ष्य की पूर्ति के लिए रहेगा। आप अपने करीबियों से तालमेल बनाकर चलेंगे।

कुम्भ: आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपको एक साथ कई काम हाथ

लगेगे, जिन्हें आप आसानी से पूरा कर सकेंगे।

मीन: आज का दिन आपके लिए पार्टनरशिप में काम करने के लिए रहेगा। औद्योगिक क्षेत्रों में आपका अच्छा नाम रहेगा।

सूर्योदय : 05:57, **सूर्यास्त :** 19:10, **चन्द्रोदय :** 10:47, **चन्द्रास्त :** 22:39, **अयन :** दक्षिणायन, **श्रु :** वृषा, **शक सम्वत :** 1947 (विश्वाम्भु) **विक्रम सम्वत :** 2082 (सिद्धार्थी), **सुग्राह (कलि संवत) :** 5127, **मास :** श्रावण, **पक्ष :** शुक्ल, **तिथि :** सप्तमी, **नक्षत्र :** चित्रा, **योग :** साध्य, **प्रथम पहर :** कौलव (13:40 तक), **द्वितीय करण :** तैत्तिल (26:41+ तक)।

॥ **गोचर ग्रह:** ॥

सूर्य : कर्क, **चंद्र :** कन्या, **मंगल - कन्या (उदित, पूर्व, मंगी),** **बुध - कर्क (अस्त, पश्चिम, कर्क),** **गुरु - मकर (उदित, पूर्व, मंगी),** **शुक्र :** मिथुन (उदित, पूर्व, मंगी) **शनि :** मीन (उदित, पश्चिम, कर्क), **राहु :** कुम्भ, **केतु :** सिंह।



योगेश कुमार गोयल

उनके पवित्र उपन्यासों में बाजार-ए-हुस्न (उर्दू में), गोदान, कर्मभूमि, गबन, सेवा सदन, कायाकल्प, मनोरमा, निर्मला, प्रतिज्ञा प्रेमाश्रम, रंगभूमि, वरदान, प्रेमा इत्यादि और कहानियों में पूस की रात, नमक का दरोगा, बूढ़ी काँची, कफ़न, मंत्र, नशा, शतरंज के खिलाड़ी, आत्माराम, बड़े भाईसाहब, बड़े घर की बेटी, उधार की घड़ी, नुर्गाना इत्यादि बहुत प्रसिद्ध हैं। अपना अंतिम कालजयी उपन्यास ‘गोदान’ उन्होंने वर्ष 1936 में लिखा, जो बेहद पवित्र रहा और आज भी आधुनिक क्लासिक माना जाता है। प्रेमचंद की कुछ कहानियों पर उनके निधन के बाद फिल्में भी बनीं। 1980 में उनके उपन्यास ‘निर्मला’ पर एक टीवी धारावाहिक भी बना, जो काफी लोकप्रिय हुआ था। 1938 में उनके एक उपन्यास ‘सेवासदन’ पर फिल्म बनी। 1963 में ‘गोदान’ और 1966 में ‘गबन’ उपन्यास पर फिल्में बनीं। 1977 में उनकी कलनी ‘कफ़न’ पर फिल्मकार गणुाल सेन द्वारा ‘ओका ऊरी कथा’ नामक तेलुगु फिल्म बनाई गई, जिसे सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। उनकी दो कहानियों 1977 में उनकी एक कलनी ‘शतरंज के खिलाड़ी’ और 1981 में ‘सद्गति’ पर बॉलीवुड फिल्मकार सत्यजित राय ने फिल्में बनाईं।



तारकेश्वर मिश्र

नतीजा यही है कि आजादी के सात दशक बाद आज भी अक्सर सीवर की सफाई के लिए उसमें उतरे मजदूर अपनी जान गंवा रहे हैं। विविध है कि एक ओर विज्ञान और तकनीक की उपलब्धियों की बदौलत कुप्रिम मेधा से सभी काम आसान होने और अंतर्ध्व तक में अनुसंधान की नई ऊँचाई कूले के दावे किए जा रहे हैं, दूसरी ओर अमानवीय हालात में कुछ लोगों को अपनी जान जोखिम में डाल कर सीवर में घुस कर उसकी सफाई करनी पड़ रही है। वया ऐसा इसलिए हो पा रहा है कि इस समस्या के पीड़ित आगंतोर पर समाज के सबसे कमजोर तबके से आते हैं? मानवीय श्रम की जगह तकनीक के उपयोग से बहुमुख्य जीवन को बचाया जाना चाहिए। ये काम सिर्फकाजनों तक सीमित न रहे। बदलाव व्यवहार में भी नजर आए। हमारे कानून को ठीक से लागू न कर णने से किसी की दर्दनाक मौत नहीं होगी चाहिए। सीवर कर्मियों की मौत पर रोते-बिलखते और असह्य परिवारों का अंतर्हीन दर्द अब खत्म होना ही चाहिए। दुर्भाग्य से परिवार के कमाने वाले व्यक्ति के मर जाने के बाद उसके परिवार व बच्चों की पवर्शिश की कोई व्यवस्था नहीं होती।

पाठकों की बात

उसकी चिट्ठी फिर

उ स क ी चिट्ठी फिर आई है! पेड़ों पर पसरी लतिकाएं गह पाई क्या उसकी बाँहें आक-अगुण द्रुम-पात नशीले किलक रहे कुसुम संग पीले , खुशबू साँसों में भर-भर क्या पाती-पाती हरियाह है ? उसकी छाँट-छाँट फिर आई है ! लहर छुगाए बैठी नदियाँ भूल गई क्या उठरी घड़ियाँ? मौझी बिन नद-तल में अटकी नाव किनारे से थी भटकी , हिलकरी के अभिर्भंदन से बहक किनारे तक आई है ? उसकी चिट्ठी फिर आई है! गति-यति हारी-मारी कविता भूली

चंदा, भूली सविता । सावन की धुन के सरगम में अभिधा-आशय भर व्यंजन में। बूँद-बूँद तर वन्यासों में क्या फिर से सुर-लय पाई है ? उसकी चिट्ठी फिर आई है ! - **पंकज कुमार बसंत**

बहता दुख कतरा-

बहता दुख कतरा-कतरा-सा टीसता मन ॥
बूढ़ी आँवों पे टँगा रहता चरमा इंतजार का॥
छूटा जो साथ टूटा भग्न हृदय अंतिम बेला ॥
सहजों हम शब्दों की अलमारी सिखाती दादी॥
बुजुर्ग पिता मांगे खेह कबल अंतिम पल॥ - **सत्या शर्मा कीर्ति**

संपादकीय

मुंशी प्रेमचंद: जिनकी कहानियों में सांस लेता है भारत

आधुनिक हिन्दी साहित्य के पितामह और उपन्यास सम्राट महान् कथाकार मुंशी प्रेमचंद ने अपने लेखन के माध्यम से न सिर्फ़ दासता के विरुद्ध आवाज उठाई बल्कि लेखकों के उपीड़न के विरुद्ध भी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने उपन्यासों और कहानियों के अलावा नाटक, समीक्षा, लेख, संस्मरण इत्यादि कई विधाओं में साहित्य सृजन किया। प्रेमचंद ऐसे कहानीकार और साहित्यकार थे, जिन्हें आज भी सबसे ज्यादा पढ़ा जाता रहा है। उन्हें 'आम आदमी का साहित्यकार' भी कहा जाता है। चूँकि उनकी लगभग सभी कहानियाँ आम जीवन और उसके सरोकारों से ही जुड़ी होती थी, इसीलिए उनके सबसे ज्यादा पाठक आम लोग रहे हैं। दरअसल उन्होंने अपने सम्पूर्ण साहित्य लेखन में एक आम गरीब आदमी की पीड़ा को न केवल समझा बल्कि अपनी कहानियों और उपन्यासों के जरिये उसका निदान बताने का प्रयास भी किया। उन्होंने अपनी लगभग सभी रचनाओं में आम आदमी की भावनाओं, उनकी परिस्थितियों, समस्याओं तथा संवेदनाओं का मार्मिक शब्दकन किया। आज भी हिन्दी भाषी दिग्गज लेखकों और साहित्यकारों का यही मानना है कि मुंशी प्रेमचंद जैसा कलमकार हिन्दी साहित्य में न आज तक कोई हुआ है और न होगा। अपनी रचनाओं के माध्यम से उन्होंने समाज को सदैव रूढ़िवादी परम्पराओं और कुरीतियों से निकालने का प्रयास किया। उन्हें 'हिन्दी साहित्य का माइलस्टोन' भी कहा जाता है।

कम ही लोग यह जानते हैं कि जो मुंशी प्रेमचंद हिन्दी लेखन के लिए इतने विख्यात रहे हैं, उन्होंने अपने लेखन की शुरुआत उर्दू से की थी। अपना पहला साहित्यिक कार्य उन्होंने गोरखपुर से उर्दू में शुरू किया था और 1909 में कानपुर के 'जमाना प्रेस' से उर्दू में ही उनका पहला कहानी-संग्रह 'सोज ए वतन' प्रकाशित हुआ था, जिसकी सभी प्रति्याँ ब्रिटिश सरकार द्वारा जब्त कर ली गई थी। उस समय में वे उर्दू में 'नबावराय' के नाम से लिखते थे। उनका लिखा कहानी संग्रह जब्त करने के बाद 'जमाना' के सम्पादक मुंशी दयानारायण

ने उन्हें परामर्श दिया कि भविष्य में अंग्रेज सरकार की नाराजगी से बचने के लिए नवाब राय के बजाय वे नए



उपनाम 'प्रेमचंद' के नाम से लिखना शुरू करें। इस प्रकार वे नवाब राय से प्रेमचंद बन गए। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के लमही गांव के डाक मुंशी अजायबलाल के घर 31 जुलाई 1880 को जन्मे धनपत राय श्रीवास्तव उर्फमुंशी प्रेमचंद की आज हम 145वीं जयंती मना रहे हैं। प्रेमचंद वकील बना चाहते थे लेकिन आर्थिक तंगी के चलते उनका वह सपना पूरा नहीं हो सका। मुंशी प्रेमचंद विधवा विवाह के पक्षधर थे और इसी कारण उन्होंने पहली पत्नी के निधन के बाद समाज के विरुद्ध जाकर वर्ष 1905 में 25 साल की आयु में शिवरानी नामक एक बाल विधवा से विवाह किया, जिसके बाद उनकी आर्थिक और पारिवारिक स्थितियों में बदलाव आया। वैसे तो उन्होंने 13 वर्ष की उम्र में लेखन कार्य शुरू कर दिया था लेकिन उनके लेखन में परिपक्वता शिवरानी से

बीती 15 मई को फ़ीदाबाद में एक मकान मालिक ने नियुक्त सफ़ाईकर्मी को बचाने के लिए सैफ्टिक टैंक में छलांग लगा दी। दोनों की ही जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हो गई। सीवर लाइन में मजदूरों का बेगैर सुरक्षा किट के उतारा गया। निरीक्षण करने पहुंचे पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को लारपवाही मिली है। ये कोई ऐसा पहला मामला नहीं है। आये दिन देश के किसी न किसी कोने से ऐसे दुःख समाचार आते रहते हैं। विडंबना यह है कि अदालतों के सख्त दिशा निर्देश और नियमों के बावजूद सीवर में दर्दनाक मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है।

यह बेहद कष्टकारी व अमानवीय है कि 21वीं सदी में भी कुछ लोग हाथ से मैला साफ करने के व्यवसाय में लगे हैं। जहां सीवर में उतरते ही मौत उनका इंतजार कर रही होती है। लेकिन कोर्ट और सरकारों की सख्ती जमीन पर नजर नहीं आती। सरकार व स्थानीय निकाय यूं तो सीवर साफ करने के लिये कर्मचारी नहीं रखते, लेकिन ठेकेदारों के जरिये ये काम बदस्तूर जारी है। फ़्ततः सीवर में उतरने से मरने वालों को न तो मुआवजा मिल पाता है और न ही किसी की जवाबदेही तय हो पाती है। बीती 22 जून को यूपी के वृंदावन में सीवर सफाई कर रहे दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना केशव धाम पुलिस चौकी के निकट स्थित एक पेट्रोल पंप के पास गेस्टराइड्स के सीवर की सफाई के दौरान हुई। 4 जून को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में सीवेज सफाई के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। मजदूर बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सीवर में उतरे थे।3 जून को ओडिशा के नबरंगपुर जिले में एक निर्माणधीन सैफ्टिक टैंक में दम घुटने से चार लोगों की मौत हो गई। 6 मई को पंजाब के बटिंडा में एक ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई लिए उतरे तीन लोग फिर जिंदा नहीं लौट पाए। एक सप्ताह बाद, हरियाणा के रोहतक के माजरा गांव में एक व्यक्ति और उसके दो बेटे एक -दूसरे को जहरीले मैनहोल से बचाने की कोशिश में एक के बाद एक मर गए।

बीती 22 जून को यूपी के वृंदावन में सीवर सफाई कर रहे दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना केशव धाम पुलिस चौकी के निकट स्थित एक पेट्रोल पंप के पास गेस्टराइड्स के सीवर की सफाई के दौरान हुई। 4 जून को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में सीवेज सफाई के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। मजदूर बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सीवर में उतरे थे।3 जून को ओडिशा के नबरंगपुर जिले में एक निर्माणधीन सैफ्टिक टैंक में दम घुटने से चार लोगों की मौत हो गई। 6 मई को पंजाब के बटिंडा में एक ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई लिए उतरे तीन लोग फिर जिंदा नहीं लौट पाए। एक सप्ताह बाद, हरियाणा के रोहतक के माजरा गांव में एक व्यक्ति और उसके दो बेटे एक -दूसरे को जहरीले मैनहोल से बचाने की कोशिश में एक के बाद एक मर गए।

उदासीनता, अवैधता और जातीय विवशता में निहित है।

विडंबना ही है कि रोजगार के रूप में हाथ से सफाई के रोजगार पर प्रतिबंध, सफाईकर्मियों के पुनर्वास अधिनियम 2013 तथा खतरनाक सफाई पर प्रतिबंध लगाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद मौतों का सिलसिला थमा नहीं है। ऐसे मामलों में सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की जाती है। सुरक्षा उपकरण नदारद रहते हैं। अकसर इसकी जवाबदेही से बचा जाता है।

दरअसल, अक्सर सरकारी तंत्र ठेकेदारों को दोषी ठहराकर जिम्मेदारी से पल्ल झाड़ लेता है। आखिर इन ठेकेदारों को काम पर कौन रखता है। निस्संदेह, सरकारी तंत्र



चांद गर कल डरा नहीं होता, सूर्य

चांद गर कल डरा नहीं होता, सूर्य का सर तना नहीं होता। आसमां को रिक्षा के क्या होगा, आसमां तो खुदा नहीं होता। बिक चुका है चर्हों का न्यायालय, इसलिए फैसला नहीं होता। उस तरफ़ चलते हैं नये खोजी, जिस तरफ़ रास्ता नहीं होता। मैं गुनाहे-वफ़ा भी क्यूं न करूँ, अपनी दुनिया में क्या नहीं होता। सेवा बीमार मां की गर करते, तो तेरा सर झुका नहीं होता। इतनी नाराज है खुशी मुझसे, मुद्दतों सामना नहीं होता। - **डॉ संजय दानी दुर्ग)**

अभी जोरों से दिल धड़का हमारा,

अभी जोरों से दिल धड़का हमारा, कहीं तो हो रहा चर्चा हमारा। वो बाँहें डाल देता है गले में,उतर जाता है सब गुस्सा हमारा। कभी तो रात भर जागे थे हम भी, कभी तो था कोई किस्सा हमारा। कभी खुशबू से भी होती थीं बातें, बहुत मासूम था रिश्ता हमारा। गवाही दे रही हैं अब दीवारें,कभी आबाद था कमरा हमारा। न जाने कब हुए तन्हा सप्न में, कभी तो साथ था साया हमारा। - **रूबी झा 'कमल'**

भोपाल, गुरुवार, 31 जुलाई 2025

4

विवाह के बाद ही आई थी, जिससे उनके लेखन की मांग बढ़ने लगी। उनकी दूसरी पत्नी शिवरानी ने ही बाद में उनकी जीवनी लिखी थी। अपने जीवन के आखिरी दिनों में प्रेमचंद जलैदर नामक बीमारी से ग्रसित हो गए थे और 8 अक्तूबर 1936 को दुनिया से अलविदा हो गए।

मुंशी प्रेमचंद एक दिन बालेमियां मैदान में महात्मा गांधी का भाषण सुनने गए और उनके विचारों से इस कदर प्रभावित हुए कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार की सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और उसके बाद पूरी तरह से स्वतंत्र लेखन में जुट गए। अपने जीवनकाल में मुंशी प्रेमचंद ने कुल 15 उपन्यास, 300 से अधिक कहानियां, 3 नाटक, 10 अनुवाद, 7 बाल पुस्तकें और हजारों की संख्या में लेखों व संस्मरणों की रचना की। उनके चर्चित उपन्यासों में बाजार-ए-हुस्न (उर्दू में), गोदान, कर्मभूमि, गबन, सेवा सदन, कायाकल्प, मनोरमा, निर्मला, प्रतिज्ञा प्रेमाश्रम, रंगभूमि, वरदान, प्रेमा इत्यादि और कहानियों में पूस की रात, नमक का दरोगा, बूढ़ी काकी, कफन, मंत्र, नशा, शतरंज के खिलाड़ी, आत्माराम, बड़े भाईसाहब, बड़े घर की बेटी, उधार की घड़ी, जुमाना इत्यादि बहुत प्रसिद्ध रही। अपना अंतिम कालजयी उपन्यास ‘गोदान’ उन्होंने वर्ष 1936 में लिखा, जो बेहद चर्चित रहा और आज भी आधुनिक क्लासिक मनीा जाता है। प्रेमचंद की कुछ कहानियों पर उनके निधन के बाद फिल्में भी बनीं। 1980 में उनके उपन्यास ‘निर्मला’ पर एक टीवी धारावाहिक भी बना, जो काफी लोकप्रिय हुआ था। 1938 में उनके एक उपन्यास ‘सेवासदन’ पर फिल्म बना। 1963 में ‘गोदान’ और 1966 में ‘गबन’ उपन्यास पर फिल्में बनीं। 1977 में उनकी कहानी ‘कफन’ पर फिल्मकार मृणाल सेन द्वारा ‘ओका ऊरी कथा’ नामक तेलुगु फिल्म बनाई गई, जिसे सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। उनकी दो कहानियों 1977 में उनकी एक कहानी ‘शतरंज के खिलाड़ी’ और 1981 में ‘सद्गति’ पर बॉलीवुड फिल्मकार सत्यजित राय ने फिल्में बनाईं।

सीवर में दर्दनाक मौतों का अंतहीन सिलसिला

भी इस आपराधिक लापरवाही के लिए जिम्मेदार है। आखिर सफाईकर्मियों से जुड़े सुरक्षा मानकों की निगरानी की जवाबदेही तय क्यों नहीं होती? नगर पालिकाएं और राज्य एजेंसियां आउटसोर्सिंग की दुहाई देकर अपने कानूनी और नैतिक कर्तव्यों से बच नहीं सकती। दुर्भाग्य से इन हदसों का स्पष्ट पक्ष जातीय विद्वरूपता में है। अधिकतर सफाई कर्मचारी समाज में हاشिये पर पड़े समुदायों से आते हैं। सफाई जैसा महत्वपूर्ण काम करने के बावजूद उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता है। सीवर सफाई के लिये मशीनें खरीदने के दावों के बावजूद हाथ से सफाई का क्रम नहीं टूटता। कई जगह मशीनों के खरीदने पर करोड़ों का परिव्यय दिखाया गया, लेकिन जमीनी हकीकत नहीं बदली। मशीनें तो धूल फंक रही हैं और इंसानों को नरक में धकेला जा रहा है। निर्विवाद रूप से हमारे समाज पर मैनुअल स्कैवेजिंग एक काला धब्बा है।

न्यायापालिका सख्ती से इसे रोकने को कहती है, सत्ताधीश आदेश की औपचारिकता पूरी करते हैं, लेकिन फिर भी सीवर की जहरीली गैस में लोगों के मरने का सिलसिला थमा नहीं है। किसी सफाईकर्मी के मरने पर कुछ समय तो हो-हल्ला होता है, मगर फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। वक्त की दरकार है कि नगर निकायों को इन हदसों के लिये सीधे जवाबदेह बनाया जाए। सीवर की सफाई से जुड़ी मौत के लिये स्वतः कानूनी कार्रवाई, तत्काल मुआवजा और विभागीय कार्रवाई की जाए।

आखिर क्या वजह है कि सीवर में सफाई करने उतरे मजदूरों की जोखिम भरी जिंदगी और इस काम में उनके अस्तित्व और गरिमा के सवाल पर सोचना हमें जरूरी नहीं लगता? इस मसले पर शीघ्र अदालत के स्पष्ट निर्देश और तीखी टिप्पणियों के बावजूद सरकारों ने शायद ही कभी नीजी ठेकेदारों के खिलाफ सख्ती बरतने, किसी की जिम्मेदारी तय करने और सीवर में जोखिम भरे हालात में किसी इंसान को उतारने पर रोक को लेकर गंभीरता दिखाई है।



दुनिया की भीड़ में मेरा अलग

दुनिया की भीड़ में मेरा अलग फसाना है, मुझे खुद से खुद को तन्हाई से मिलाना है, भले ही मैं महफ़िल में तन्हा दिखती हूँ पर वीरान नहीं. मेरे अंदर भी एक ज़माना है। - **नीरजा मेहता**

तेरह तेरह में लिखें, प्रिय उल्लाहा

तेरह तेरह में लिखें , प्रिय उल्लाला छंद। ग्यारह मात्रा लघु सधें, कहे राज मतिमंद।। विषम चरण प्रारम्भ हो, दीर्घ य लघु लघु जान। तेरहवीं यति दीर्घ हो, कविवर लें संज्ञान।। कुछ विद्वत जन मत अलग,पंद्रह तेरह मान।। अट्ठईस स साधते, नाम चंद्रमण्डल जान।। विषम छंद दोहा लिखें, धरि उल्लाला नाम।। यति गति छन्दस प्राण हैं, पिंगल करूँ प्रणाम। - **राजकिशोर मिश्र ‘राज’ प्रतापगढ़ी**

इस तरह से रिश्ते खफा

इस तरह से रिश्ते खफ़ हो गए, अपने ही जैसे बेवफ़ हो गए। कभी जो कहते थे हमसे -तुमसे मिलकर बेहतर हू, आज वही चुरा कर नज़रें, हमें ही नज़रें दिखाने लगे हैं। - **बबली सिन्हा वान्या**

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य -125	(भाषा का चालू)
 नाएँ ये दाएँ 1. जल्द, अचरित, बेचारा, लाल रंगने की आदत हो गई हो (३३) 4. साथ में, सहित 5. 19. सेलक, दास, नौकर 21. समय में धैर्यता बाहक का काम बनी, बारिश, नरका 8. कथा, श्रोता 22. गिर, जलद, निंद। करता था 13. बाल, बच्चा, किस्सा 9. चिह्नितार, चरमिवाज 10. किस्मत, नासों, 11. प्रलय, आकाश, हलचल 17. 1. विशेष, विशेष 7. सुधेध, लड़ा में रहने, उड़ने या होने लायक इकने का कपड़ा 13. पिता, खुशबू 3. नाचपी, मरुपु, मानव वाला, बिकपल नाचकालिक और कराक, रागागित न्यादि 14. 5. अर्थवाक्य, अपेक्षाक ६. शत्रु, निर्णय 19. नाच, कनरी 20. वर्ष, वायु, पाषा 16. निवास करारा, दर्द, दिक्कत 7. गानर, गहने का वास, एक उपरातो वृक्ष।	
शून सामर्थ्य क्रमांक 124 का हल	
 सं क्रि स्था द स ष ष जा ष ष्ठा द ली द ष हृ क्षा द ल ना ल क मा न ग इ ना ध व र व मी त म ज वू र ट न म क्का र यं नी ना का सं वि दा ष च च ल ना	



■ न्यूज गैलरी

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस पर निकाली गई बाईक रैली

रायसेन/नवप्रदेश। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री अनिल कुमार सोहाने के मार्गदर्शन में सामाजिक अनुसंधान एवं विकास संस्थान के सहयोग से दिनांक 30 जुलाई को मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस के अवसर पर बाइक रैली का आयोजन किया गया। बाइक रैली को प्रातः 11 बजे जिला न्यायालय परिसर रायसेन से प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री अनिल कुमार सोहाने द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश सहित श्री अरविंद रघुवंशी विशेष न्यायाधीश, श्री अरविंद जैन प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, जिला न्यायाधीश श्री धर्मपाल सिंह सिवाच, श्री कमलेश कुमार इटावदिया, श्री सुनील कुमार शौक, श्री सचिन जैन एवं महेश कुमार माली, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अजय कुमार यदु, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती हर्षिनी यादव, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सोन्या साहू अस्थाना एवं श्री संचित अस्थाना, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अनीस उद्दीन अब्बासी, सामाजिक अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईएसआरडी) के सदस्य, लीगल एड डिफेंस कार्डसिस्स, एवं पैरालीगल वालेंटियर्स सम्मिलित हुए। इस मौके पर प्रधान जिला न्यायाधीश ने कहा कि 30 जुलाई को मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस मनाया जाता है। यह दिन मानव तस्करी के पीड़ितों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए समर्पित है। इस दिवस पर हम सभी को मानव तस्करी के विरुद्ध खतरे के बारे में जागरूक होने और इसे रोकने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर श्रीमती हर्षिनी यादव, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने मानव तस्करी को एक गंभीर सामाजिक एवं कानूनी अपराध बताते हुए इसे ज? से समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह अपराध गरीबी, अशिक्षा, बेरो?गारी और असमानता जैसी सामाजिक समस्याओं से जु? है और इसके खिलाफ समाज के प्रत्येक वर्ग को जागरूक व सजग होना चाहिए। रैली न्यायालय परिसर से प्रारंभ होकर सांची/भोपाल रोड चौराहा, बस स्टैंड एवं दरगाह क्षेत्र से होते हुए दोपहर 2 बजे सागर रोड स्थित नवीन ढाबा के पास संपन्न हुई। रैली के दौरान विभिन्न स्थानों पर पंपलेट वितरण, सार्वजनिक संबोधन एवं जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अभियान में स्थानीय नागरिकों, युवाओं, छात्रों एवं समुदाय के लोगों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

समाधान आन लाइन कार्यक्रम से शिकायतकर्ता की समस्या का समाधान

दो प्राचार्यों के खिलाफ निलंबन की कार्यवाही

विदिशा/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रत्येक माह आयोजित समाधान आन लाइन कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले आवेदनों के आवेदकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्या से अवगत होकर निराकरण की पहल की जा रही है। बुधवार तीस जुलाई को आयोजित समाधान आन लाइन कार्यक्रम में छात्रवृत्ति से संबंधित विषय पर आधारित एक शिकायत विदिशा जिले की भी शामिल थी। विदिशा के एनआईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के साथ शिकायतकर्ता छात्र सुमित साहू के साथ-साथ पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, वन मण्डला अधिकारी श्री हेमंत यादव, अपर



कलेक्टर श्री अनिल डामोर के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी और शासकीय अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य श्री बीडी अहिरवार भी मौजूद रहे। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने शासकीय महाविद्यालय नटेरन के शिकायतकर्ता छात्र सुमित साहू को समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिलने की शिकायत दर्ज उपरांत निराकरण के संबंध में की गई

कार्यवाहियों की बिन्दुवार जानकारी साझा की है। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनकी समस्या का समाधान हुआ है। उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव द्वारा शासकीय कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर निलंबन आदेश जारी किए हैं। जारी आदेशानुसार शासकीय महाविद्यालय नटेरन के प्रभारी प्राचार्य डॉ वने सिंह वर्मा और शासकीय अग्रणी महाविद्यालय विदिशा की तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य डॉ नीता पांडे को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में डॉ नीता पांडे और प्रभारी प्राचार्य डॉ वने सिंह वर्मा दोनों का मुख्यालय क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा गोपाल नर्मदापुरम संभाग भोपाल नियत किया गया है जबकि निलंबित अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न

रायसेन/नवप्रदेश। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने, नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने किए जा रहे कार्यों और गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डे ने गत बैठक में बताए गए दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं को रोकने किए गए कार्यों की भी जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार खरपूरे भी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला परिवहन अधिकारी से विगत एक

माह में स्कूल वाहनों तथा यात्री वाहनों की जांच किए जाने संबंधी जानकारी ली गई। उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूल वाहनों में निर्धारित मापदण्ड अनुसार मेडिकल किट पैनिक बटन, स्पीड गर्वनर सहित आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। पुलिस अधीक्षक श्री पाण्डे द्वारा भी स्कूल वाहनों में सुरक्षा के आवश्यक इंतजामों के संबंध में निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्कूल, चिकित्सालय सहित अन्य स्थलों के समीप सड़कों पर कैट आई, विभिन्न संकेतक चिह्न या साइन बोर्ड, रिलिंग लगाने के भी निर्देश दिए। बैठक में स्कूल, कॉलेजों तथा सार्वजनिक स्थलों पर भी यातायात नियमों तथा सड़क सुरक्षा



संबंधी जागरूकता गतिविधियां आयोजित किए जाने पर भी चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि गौवंश सड़क मार्गों या उनके किनारे पर ना बैठे, यह सुनिश्चित कराएं। गौवंश को मार्गों से हटाकर

गौशाला भेजा जाए। बैठक में बेरखेड़ी चौराहा से शाहपुरा जोड़ तक टर्निंग पर स्पीड ब्रेकर बनवाने और मार्ग पर रबल स्ट्रिप की मोटी लेयर डाली जाने के निर्देश दिए। साथ ही मार्ग के दोनों ओर केट-आई लगाने, गो स्तो, स्पीड लिमिट

बनवाने संबंधी भी निर्देश दिए गए। बैठक में सांची के समीप आमखेड़ा पेट्रोल पम्प के समीप विजीवेल्टी के लिए कुछ पेड़ों की टहनियों की छटाई कराने पर चर्चा की गई। साथ ही पेट्रोल पम्प के प्रवेश एवं निकासी मार्ग पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाने, सड़क से गौवंश को हटाने और स्पीड लिमिट सहित अन्य साइन बोर्ड लगाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त खरबई घाटी पर रबल स्ट्रिप की मोटी लेयर पुनः डाली जाने, मार्ग के दोनों ओर केट-आई लगाए जाने सहित मार्ग के दोनों ओर के सोल्डर को रिपेयर किए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अन्य एजेण्डा बिन्दुओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में जिला यातायात प्रभारी, एनएचएआई, सीएमएचओ, मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर विश्वकर्मा और एसपी पाण्डे ने रायसेन तथा बरेली में राहत शिविरों का किया निरीक्षण

रायसेन/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डे द्वारा बुधवार को बरेली और रायसेन में अतिवृष्टि और जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों तथा राहत शिविरों का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री पाण्डे द्वारा रायसेन स्थित वन परिसर में बनाए गए राहत शिविर का निरीक्षण किया गया। उन्होंने यहां भोजन, पानी, स्वास्थ्य आदि व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। साथ ही अतिवृष्टि से प्रभावित नागरिकों से भी चर्चा की। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा तथा एसपी श्री पाण्डे द्वारा बरेली नगर का भी भ्रमण किया गया। उन्होंने बरेली में अतिवृष्टि तथा जलभराव से प्रभावित नागरिकों हेतु बनाए गए राहत शिविरों का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। बरेली में शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल, शासकीय माध्यमिक शाला के छात्रावास और शासकीय माध्यमिक शाला स्कूल चौक मोहल्ला में बनाए गए राहत शिविर बनाया गया है। कलेक्टर तथा एसपी द्वारा राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान नागरिकों से स्वास्थ्य, भोजन, पानी आदि व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही एसडीएम सहित अन्य अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा बाड़ी में बारना डेम का निरीक्षण किया। इस दौरान एसपी श्री पंकज कुमार पांडे भी साथ रहे। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने डेम की जल संग्रण क्षमता और वर्तमान में संग्रहित जल की मात्रा की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि डेम के गेट खोले जाने के पर्याप्त समय पहले क्षेत्र में नागरिकों को गेट खोले जाने की सूचना दी जाए।



निशुल्क शव वाहन सेवा के लिए सीहोर जिले को मिले दो वाहन

जिले की सीमा के अन्दर संचालित होगी निशुल्क शव वाहन सेवा

चौबीस घंटे सातों दिन होगा शव वाहन का संचालन

शव वाहन के संचालन के लिए जिला स्तर पर होगा एक नोडल अधिकारी

सरकारी अस्पताल में हुई मृत्यु के मामले में प्रदान की जायेगी शव वाहन सेवा

सीहोर/नवप्रदेश। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में राज्य शासन द्वारा संचालित शासकीय संस्था में रोगी अथवा दुर्घटना पीड़ित के उपचार के दौरान मृत्यु उपरांत मृतक को निवास स्थल अथवा श्मशान घाट तक निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से शववाहन सेवा का संचालन प्रारंभ किया गया है। इसके तहत सीहोर जिले को दो शव वाहन प्राप्त हुए हैं। इसमें एक वाहन जिला अस्पताल में सेवा के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगा।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सभी



शासकीय अस्पतालों में रोगी अथवा दुर्घटना पीड़ितों की इलाज के दौरान मृत्यु होने पर मृतक को सम्मानपूर्वक अपने परिजनों को सुपुर्द कर निशुल्क उनके निवास स्थल तक पहुंचाया जायेगा। शव वाहन शासकीय अस्पताल से मृतक को उसके निवास स्थल या श्मशान घाट तक निःशुल्क पहुंचाने के लिए जिले की सीमा के अन्दर संचालित किया जायेगा। विभाग द्वारा शव वाहन राज्य

शासन द्वारा संचालित शासकीय चिकित्सा संस्थानों में हुई मृत्यु के प्रकरणों में उपयोग किया जायेगा। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बताया की शव वाहनों की अनुपलब्धता पर जिला कलेक्टर निविदा में स्वीकृत दर अनुसार स्थानीय स्तर पर अन्य वाहन द्वारा सेवा प्रदान की जा सकेगी। रोगी कल्याण समिति को इस संबंध में राज्य शासन द्वारा पृथक से आवंटन प्रदाय किया जायेगा। निजी

चिकित्सालयों निवास स्थल एवं अन्यत्र किसी भी स्थान में हुई मृत्यु के प्रकरण में शव वाहन उपलब्ध कराये जाने की पात्रता नहीं होगी। सीहोर जिले को दो शव वाहन सहित प्रदेश के समस्त 19 चिकित्सा महाविद्यालयों वाले जिलों में 04 तथा शेष 37 जिलों के जिला चिकित्सालयों हेतु 02 के मान से कुल 148 शव वाहन प्रदान किये गये हैं ।

सीएमएचओ के नियंत्रण में संचालित होंगे शव वाहन

समस्त शव वाहन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अथवा जिला अस्पताल में तैनात होंगे तथा जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की निगरानी एवं नियंत्रण में कार्य करेंगे। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अथवा जिला अस्पताल के अतिरिक्त अन्य शासकीय स्वास्थ्य संस्था सीएचसी, तथा पीएचसी में हुई संस्थागत मृत्यु के प्रकरण में मृतक के परिवहन के लिए सम्बंधित जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा आवश्यकता अनुसार जिला चिकित्सालय या चिकित्सा महाविद्यालय से संपर्क कर शव वाहन

उपलब्ध कराया जा सकेगा। जिला चिकित्सालय या चिकित्सा महाविद्यालय में उपचार के दौरान मृत्यु के प्रकरण में मृतक को शव वाहन से परिवहन के लिए संबंधित स्वास्थ्य संस्था के नोडल द्वारा उक्त संस्था में तैनात शव वाहन को मृतक को ले जाने के लिये उपलब्ध कराया जा सकेगा। प्रत्येक प्रकरण में शव वाहन के चालक द्वारा मृतक के शव को ले जाने संबंधित शासकीय स्वास्थ्य संस्था से मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा। यह जिम्मेदारी जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन अथवा चिकित्सा महाविद्यालय के नोडल की होगी। शव वाहन चौबीस घंटे सातों दिन संचालित होंगे। जिसमें प्रत्येक समय एक वाहन चालक की उपस्थिति सेवा प्रदाता संस्था द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। मृतक संबंधी समस्त विवरण सेवा प्रदाता संस्था द्वारा संधारित किया जाएगा, जिसकी ऑनलाइन एंट्री की जायेगी। शव वाहनों की निर्धारित चिकित्सालयों पर उपलब्धता की सतत निगरानी की जाएगी। शव वाहन चालक द्वारा शव वाहन से दी गई सेवाओं का विवरण लॉग-बुक में संधारित किया जाएगा, जिसका

अतिवर्षा की स्थिति पर नजर रखें और जान-माल के बचाव को दें प्राथमिकता : सीएम यादव

श्रावण मास और त्यौहारों पर करें अग्रिम व्यवस्थाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिए कलेक्टर्स को निर्देश

कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से वीसी में शामिल हुए कलेक्टर-एसपी सहित अन्य अधिकारी

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी जिलों में अतिवर्षा की स्थिति पर नजर रखी जाए। कलेक्टर एवं प्रशासनिक तथा पुलिस अमला अधिक वर्षा की स्थिति में आपदा की हालत उत्पन्न होने के पूर्व नागरिकों के बचाव के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें। संवेदनशील और सजग होकर प्रभावित नागरिकों की सहायता की जाए। पशु हानि और मकानों की क्षति पर भी प्रावधानानुसार अविलम्ब मदद पहुंचाएं। इन कार्यों को सभी कलेक्टर्स प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार की शाम समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को निर्देशित कर रहे थे। सीहोर कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्री बालागुरू के., एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला तथा डीएफओ श्रीमती अर्चना पटेल सहित अन्य अधिकारी विडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रावण मास में मंदिर परिसर भी सुविधायुक्त बनाएं, जिससे श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। आगामी 9 अगस्त को रक्षाबंधन, 14 अगस्त को बलराम जयंती, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और 16



अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी पर होने वाले महत्वपूर्ण पर्वों के लिये आवश्यक व्यवस्थाएं अग्रिम रूप से की जाएं।

दुर्घटनाग्रस्त लोगों के उपचार और सहायता के प्रति रहें सजग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, एयर एम्बुलेंस सेवा के समुचित उपयोग और आयुष्मान योजना के तहत मरीजों को उपचार उपलब्ध करवाने के लिए पंजीकृत अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटनाओं की स्थिति में गंभीर घायल व्यक्ति के गोल्डनअवर में उपचार को सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर अस्पतालों के निर्धारण से जु?ी प्रक्रिया भी पूरी की जाए। राहवीर योजना में

स?क दुर्घटना के शिकार व्यक्ति को तत्परता से अस्पताल ले जाने वाले सहयोगी नागरिक को 25 हजार रुपए की राशि दिए जाने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन के प्रति भी जिला कलेक्टर सजग रहें।

जनप्रतिनिधियों से संवाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि जिला स्तर पर विकास समितियां बनाने के संबंध में प्रभारी मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों से संवाद कर कार्यवाही पूर्ण की जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में यह भी निर्देश दिए गए कि 15 अगस्त पर होने वाली ग्राम सभा और वन समितियों के निर्वाचन से संबंधित कार्य पूर्ण किए जाएं। वित्त आयोग की राशि की उपलब्धता के दृष्टिगत आवश्यक कार्यों को भी पूर्ण किया जाए।



■ न्यूज गैलरी

शिवालयों में गूंजा हर-हर महादेव

राजनांदगांव। सावन माह तीसरे सोमवार को शहर के सभी शिवालयों में बड़ी संख्या में भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना विधि-विधान से की गई। भक्तों द्वारा भगवान भोलेशंकर का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, कनेर , पुष्कर धतूरा पुष्प श्रीपत्त आदि भेंट कर कपूर दीप से आरती किये है। रानी मंदिर समिति छुईखदान के संरक्षक लतारानी लाल जे के वैष्णव ने जानकारी दी कि सावन माह 2025 में चार सोमवार पड़ने पर भोलेशंकर की पूजा होगी। पं प्रदीप मिश्रा के कथन एक लोटा जल सभी समस्या का हल एवं सावन शिवरात्रि पूजा का भक्त जन अनुसरण कर श्री शिवाय नमस्तुभ्य पाठ उद्धोष से मंदिर परिसर गुंजित रहा है। प्रतिवर्ष अनुसार महिला रामायण मंडली बाईसाहब मंदिर एवं जय मां काली बजरंग रामायण मंडली जस समिति एवं शक्ति मंदिर रामायण भजन मंडली छुईखदान द्वारा सभी मंदिरों में जाकर भजन कीर्तन किया जाता है । राजपरिवार के लतारानी लाल जे के वैष्णव ने शिव मंदिर में विधि विधान से पूजा किये । शिवालयों सहित शहर में भक्त जन द्वारा ऊं नमः शिवाय , हर हर महादेव की भक्ति भाव से गुंजित रहा। भक्त जनों द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंगों की कथा , महामृत्युंजय मंत्र जाप , श्री शिव चालीसा पाठ एवं शिव तांडव स्तोत्र पाठ किया जाता है । सावन माह में अच्छी बारिश से भक्त गण भोलेनाथ की पूजा प्रसन्नता से किये।

अगस्त में श्रमिकों के लिए पंजीयन, नवीनीकरण शिविर

खैरागढ़। श्रमिकों की सुविधा के लिये अगस्त माह में जिले के चयनित ग्राम पंचायतों में मोबाइल कैम्प के माध्यम से शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविरों में निर्माण कार्य से जुड़े, स्थापनाओं में कार्यरत और अन्य पात्र श्रमिक अपना नया पंजीयन करवा सकेंगे। पहले से पंजीकृत श्रमिक अपने पंजीयन का नवीनीकरण करा सकते हैं। विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में आवेदन कर लाभ प्राप्त कर सकते है। विकासखंड खैरागढ़ क्षेत्र के अंतर्गत 5 अगस्त को ग्राम पंचायत नवागाम कंव्वर, 7 अगस्त को मरकामटोला, 13 अगस्त को घोड़ेबरी और 21 अगस्त को गर्रापर में व विकासखंड छुईखदान के अंतर्गत 12 अगस्त को ग्राम पंचायत गातापार, 19 अगस्त को चोरलाडीह, 23 अगस्त को गोकना और 29 अगस्त को चकनार में शिविर लगाए जाएंगे।

प्रदेश में निजी अस्पतालों का ‘लूटतंत्र’ सरकारी अफसर दे रहे खुली छूट, पिस रही है जनता

छुरिया/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं का हाल बेहाल है। एक तरफ जहां सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं का विस्तार हुआ है और वे पहले से कहीं बेहतर स्थिति में हैं, वहीं दूसरी ओर आम जनता के हों में यह गहरी धारणा बैठ गई है कि सरकारी अस्पताल यानी परंशानी, अंतहीन देरी और घोर लापरवाही का दूसरा नाम। इस कड़वी सच्चाई के पीछे का मुख्य कारण है ड़्क सरकारी तंत्र की घोर उदासीनता और निजी अस्पतालों के साथ उनकी सांझगाट, जिसने गरीबों और मध्यम वर्ग को इलाज

के नाम पर आर्थिक दलदल में धकेल दिया है। यह विडंबना ही है कि सरकारी अस्पतालों में अब आधुनिक दवाइयां, अत्याधुनिक जांच मशीनें और अनुभवी स्टाफ उपलब्ध हैं, लेकिन इन सुविधाओं के बारे में आम जनता को जागरूक करने में कोई रुचि नहीं ली जा रही। आरोप सीधा है: निजी अस्पतालों से मिलने वाले भारी-भरकम कमीशन के कारण सरकारी तंत्र खुद नहीं चाहता कि आम जनता सरकारी इलाज की ओर रुख करे। यह एक ऐसा 'खेल' है, जिसमें मरीज सिर्फ एक मोहरा बनकर रह जाता है।

सरकार स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रमों पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाती है, उनके प्रचार-प्रसार में कोई कसर नहीं छोड़ती। लेकिन जब बात सरकारी अस्पतालों की उन्नत सुविधाओं को जन-जन तक पहुंचाने की आती है, तो जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि रहस्यमय चुप्पी साध लेते हैं। यह चुप्पी सवालों के घेरे में है ड़्क क्या यह कमीशन का खेल नहीं तो और क्या है, जिसमें गरीब और मध्यम वर्ग के मरीज इलाज के नाम पर फंसाए जाते हैं और आर्थिक रूप से पूरी तरह तबाह हो जाते हैं?

सरकार स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रमों पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाती है, उनके प्रचार-प्रसार में कोई कसर नहीं छोड़ती। लेकिन जब बात सरकारी अस्पतालों की उन्नत सुविधाओं को जन-जन तक पहुंचाने की आती है, तो जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि रहस्यमय चुप्पी साध लेते हैं। यह चुप्पी सवालों के घेरे में है ड़्क क्या यह कमीशन का खेल नहीं तो और क्या है, जिसमें गरीब और मध्यम वर्ग के मरीज इलाज के नाम पर फंसाए जाते हैं और आर्थिक रूप से पूरी तरह तबाह हो जाते हैं?

तीजा तिहार विधायक कार्यालय कवर्धा में संपन्न, छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक देखने को मिला

छग की लोक परंपराएं हमारी पहचान हैं, सहजना हम सभी की जिम्मेदारी: रश्मि शर्मा

कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की परंपराओं और नारी गौरव के प्रतीक पर्व तीजा तिहार के उपलक्ष्य में विधायक कार्यालय कवर्धा में तीजा तिहार तीज मिलन समारोह बड़े उत्साह और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा की धर्मपत्नी रश्मि विजय शर्मा उपस्थित रहीं। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि तीजा तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और नारी परंपरा का प्रतीक पर्व है।

यह केवल पर्व नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक एकता, सांस्कृतिक विरासत और मातृ शक्ति के सम्मान का उत्सव है। उन्होंने दूर-दराज से आई सैकड़ों महिलाओं, माताओं और बहनों को तीजा तिहार की शुभकामनाएं दीं और कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक परंपराएं, रीति-रिवाज और कला-संस्कृति हमारी पहचान हैं, जिन्हें सहजना हम सबकी जिम्मेदारी है। हमें इन परंपराओं को अगली पीढ़ियों तक भावनात्मक जुड़ाव के साथ पहुंचाना है। इस मिलन समारोह में भाजपा की महिला

पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष देवकुमारी चंद्रवंशी, महिला मोर्चा जिला महामंत्री सविता ठाकुर, जिला मंत्री नीतू शर्मा, शहर मंडल अध्यक्ष सतविंदर पाहुजा, ग्रामीण महिला मोर्चा अध्यक्ष दसारी ठाकुर, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष वीर सिंह पटेल, जिला सभापति सरस्व सुमित्रा विजय पटेल, जनपद अध्यक्ष सुप्रभा गणपत बघेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रथम पेज का शेष सजग रहें, एहतिहात बरतें, वर्षा

और यहां चल रहे रेस्क्यू कार्यों का लाइव अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने बचाव दल के अधिकारियों से लाइव चर्चा करते हुए कहा कि किसी की जान बचाना सेवा का काम है। इसी भाव और पूरे समर्पण से अपना कार्य करें। सरकार के स्तर से जिस प्रकार की मदद की आवश्यकता है वह बताएं, सरकार समुचित व्यवस्थाएं करेगी। उन्होंने कहा कि यदि नाव से किसी बाढ़ प्रभावित को सुरक्षित निकालना या बचा पाना संभव न हो, तो ऐसी स्थिति में सरकार हेलीकाप्टर के जरिए प्रभावितों को एयरलिफ्ट करायेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और अति वर्षा से नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आपदा प्रबंधन कक्ष से जिलों में मौजूद व्यवस्थाओं, अलर्ट सिस्टम, निगरानी तंत्र और अब तक किए गए सभी प्रकार के रेस्क्यू ऑपरेशन्स की भी जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिलों में बाढ़ आपदा कंट्रोल रूम निरंतर सक्रिय रहें और प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे वर्षा थमने तक बेहद सतर्क रहें, सजग रहें। बाढ़ प्रभावितों को बचाने में मदद भी करें। उन्होंने कहा कि नागरिक बाढ़ वाले नदी-नाले में उतरने से बचें और तेज

बहाव वाले किसी भी पुल-पुलिया से आवागमन कर्दा न करें। उन्होंने कहा कि बारिश में करंट फैलने की आशंका के चलते बिजली के तार खुले न छोड़े जाएं। उन्होंने कहा कि कच्चे मकान में रहने वाले सावधानी बरतें, क्योंकि अति वर्षा से इनके क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी रहती है। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरस से कहा कि जिन लोगों का रेस्क्यू किया गया है, उनके सुरक्षित निवास, भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवा, कपड़े और अन्य जरूरतों की भी समुचित व्यवस्था कर सभी पीड़ितों को उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि बाढ़ आपदा की स्थिति में सरकार हर पीड़ित के साथ है, किसी को भी असहाय नहीं रहने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलों में बचाव दल के अधिकारियों और कलेक्टरस से चर्चा कर उनके क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति, रेस्क्यू ऑपरेशन्स की अपडेट सहित पीड़ितों को प्रशासन द्वारा मुहैया कराई जा रही राहत के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। लोगों को बचाने में सरकार प्रशासन, सेना, आपदा प्रबंधन दल सब साथ हैं। बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित निकालने में कोई भी कमी न रखें। यदि उनके जिले में अतिवर्षा का अलर्ट बचा है, तो आवश्यकता के अनुरूप स्कूली बच्चों की छुट्टी आदि भी घोषित कर दें, ताकि किसी प्रकार की अनहोनी की आशंका हो न रहे।

श्योपुर में सीप नदी उफान पर है। जिले के बड़ौदा में कलेक्टर और जनप्रतिनिधि जेसीबी से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे। यहां माधोपुर से जोड़ने वाला नेशनल हाईवे-552 पर रणथंभोर नेशनल पार्क क्षेत्र में पुलिया टूट गई, जिससे रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। श्योपुर से जयपुर, दिल्ली, टोक, दोसा की ओर से जाने वाला ट्रैफिक प्रभावित रहेगा। यहां मानपुर में सरकारी अस्पताल में पानी भर जाने के कारण 12 मरीज फंस गए। एसडीआईआरएफ की टीम ने सभी को निकालकर सुरक्षित जगह पर पहुंचाया।

गुना में डैम को दुरुस्त करने में जुटी सेना गुना में 24 घंटे में 12.92 इंच बारिश हो गई। यहां कलौरा बांध की वेस्ट बीयर 15 फीट तक टूट गई है। पूरा डैम टूटने की आशंका है। इससे आसपास के गांवों के जलमग्न होने का खतरा बना हुआ है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर हथ्कन्न और सेना को बुला लिया है। सेना की टीम बांध को दुरुस्त करने में जुटी है। गुना में बारिश के कारण सिंध नदी उफान पर है। प्याना से अशोकनगर जिले के नई सराय जाने वाले रास्ते पर सिंध नदी 50 फीट ऊंचे पुल के ऊपर से बह रही है। इससे यहां आवागमन बंद है। पुल के दोनों तरफ वाहनों की कतारें लगी हुई हैं।

नर्मदा का जलस्तर ब?1, गांव बने टाप् नर्मदपुरम में नर्मदा का जलस्तर 962.40 फीट पर पहुंच गया। नर्मदापुरम शहर से लगे डोंगरवाडा गांव पहुंच मार्ग पर नाले में बैक

आंचलिक

शासकीय पीजी कॉलेज में 1.22 करोड़ के गबन का आरोपी प्रमोद गिरफ्तार



संशोधन कर आगे की विवेचना विस्तृत रूप से की गई।

प्रशासनिक जांच के दौरान यह भी पाया गया कि कई महत्वपूर्ण लेखा दस्तावेज जानबूझकर छिपाए गए, जिनमें से कुछ कॉलेज की अलमारी से और कुछ आरोपी के निवास स्थान से जब्त किए गए। आरोपी प्रमोद

वर्मा ने स्वयं यह स्वीकार किया कि कॉलेज से संबंधित कुछ मूल रिकॉर्ड उसके पास घर पर सुरक्षित रखे थे, जिन्हें बाद में लौटाया गया। पूर्व में आरोपी को शासन द्वारा निलंबित किया जा चुका है। अब अपराध प्रमाणित होने और दस्तावेजों के संकलन के बाद, विधिस्मत्त

गिरफ्तारी कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से आरोपी को जेल भेजा गया है।

इस कार्रवाई में थाना कवर्धा के प्रभारी निरीक्षक श्री लालजी सिन्हा, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मनीष मिश्रा, उप निरीक्षक त्रिलोक प्रधान, रजनीकांत दीवान, सहायक उप निरीक्षक शसंजीव तिवारी, राजकुमार चंद्रवंशी, बंटे सिंह मरावी, प्रधान आरक्षक वैभव कलचुरी, आरक्षक पवन राजपुर तथा सैनिक अनिल पांडे का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने संपूर्ण दस्तावेजी विश्लेषण, पृष्ठताछ एवं साक्ष्य संकलन में सतर्कता व पेशेवर दक्षता का परिचय दिया। प्रकरण की विवेचना जारी है तथा

जांच के दौरान जिन प्रमुख वित्तीय गड़बड़ियों की पुष्टि हुई
1,13,28,570 की राशि बैंक और छजाने में जमा नहीं की गई। 2481805 स्ववित्तीय ढट से संबंधित राशि कमा जमा की गई। 220000 बिजली बिल के नाम पर निकाले गए, लेकिन भुगतान नहीं किया। 940555 की राशि मोबाइल बिल, ऑडिटोरियम कियाए एवं अन्य नदों में अनिवारित ढंगा से उपयोग की।

अन्य संबंधित व्यक्तियों की भूमिका एवं गबन की शेष राशि के संबंध में भी जांच की जा रही है।

भगवान चंद्रमौलेश्वर पालकी शोभायात्रा का स्वागत



राजनांदगांव/नवप्रदेश। हर वर्ष की तरह इस वर्ष में शहर में सावन माह में उज्जैन की तर्ज पर महाकाल प्रभु चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में पटरीपार क्षेत्र में प्रजा का हाथ-चाल जानने एवं दर्शन देने पालकी में सवार होकर निकले। पालकी शोभायात्रा के सूत्रधार पवन ढागा, राजू के मार्गदर्शन में शोभायात्रा का प्रदेश कांग्रेस कमेटे की महामंत्री शाहिद भाई के अगुवाई में स्वागत कर शामिल

समस्त भक्त जनों की शीतल पेय का वितरण कर स्वागत किया एवं भगवान चंद्रमौलेश्वर की पालकी में सवार का अभिषेक कर क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना की संख्या में भक्तजन शामिल थे। शोभायात्रा के स्वागत के दौरान प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रूपेश डुबे, समाज सेवी भावेश अग्रवाल, चंद्रशेखर वैष्णव, हरिहारनो सहित बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद थे।

गौ तस्करी को लेकर पुलिस अलर्ट, अर्जुदा में पकड़ाया तस्कर गिरोह

■ गाँवश की तस्करी करने वाले गिरोह का खुलासा, 2 आरोपियों को महाराष्ट्र से किया गिरफ्तार

बालोद/नवप्रदेश। हाल ही में नारायणपुर पुलिस द्वारा पकड़े गए गिरोह से पता चला था कि बालोद जिले के मंवेशी बाजार करहीभदर से लगभग 6 साल से तस्करी हो रही है। तो वहीं जिले में तस्करी की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। इस संबंध में नवप्रदेश ने प्रमुखता से प्रकाशित करते हुए बताया था कि कैसे तस्करी का रैकेट फैला हुआ है। बालोद पुलिस अलग-अलग थाना क्षेत्र में हो रही गौ तस्करी को लेकर अलर्ट हुई। जिसके मद्देनजर अब अर्जुदा पुलिस द्वारा भी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के दो और स्थानीय चार, कुल छह आरोपियों को तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर रिमांड पर जेल भेजा है।

जानकारी अनुसार मुखबिर से सूचना मिला था कि ग्राम डुंडिया के पास रोड किनारे एक मारुति सुजुकी कार रिट्ज क्रमांक एमएच 02 बीआर 4917 मे दो नाग गाय को ठुंसकर भरा गया है, जिसे देखने से प्रतीत हो रहा है कि किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा गौवंश को कल्लखाना ले जाया जा रहा था। सूचना पर थाना अर्जुन्दा पुलिस द्वारा तसद्दक हेतु घटना स्थल डुंडिया जाकर देखा तो 2 नाग गाय कार के अंदर ठुंसकर पैसे को बांधकर भरा गया था। वाहन चालक को से कार खराब होने के कारण फ्फार हो गया था।प्रकरण को

वाटर आ गया। बुधनी रोड स्थित मैरिज गार्डन के अंदर पानी भरया। सोहागपुर के ग्राम सांकला में नर्मदा किनारे बसे गांव के 7 मकानों में पानी भर गया।

दफ्तरी प्रक्रिया में लंबित न रहें

सब्सिडी मिली- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के उद्यमी श्री पीयूष काबरा को मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना में प्राप्त ऋण की सब्सिडी प्राप्त न होने के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए दोषी कर्मचारी को दंडित करने के निर्देश दिए। इस प्रकरण में आवेदक श्री काबरा को राशि प्राप्त हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वरोजगार योजना और अन्य योजनाओं में हितग्राहियों को समय-सीमा में लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

विद्यार्थियों को समय पर मिले डिग्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर निवासी डॉ. शरद कुमार शर्मा के मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर से डिग्री प्राप्त न होने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए समस्त विश्वविद्यालयों द्वारा दीक्षांत समारोह आयोजित कर विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विभिन्न पाठ्यक्रमों के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को समय पर उपाधि प्राप्त हो जाए इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग और चिकित्सा शिक्षा अपने स्तर पर कार्यवाही सुनिश्चित करें।



गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका ठाकुर के निर्देशन व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी गुण्डरदेही राजेश बागडे के पर्यवेक्षण में उप निरीक्षक जोगेन्द्र साहू थाना प्रभारी अर्जुन्दा के नेतृत्व में आरोपी घातसाजी हेतु सायबर एवं थाने की संयुक्त टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा नियन्त्रण एप की सहायता से जिले के सीसीटीवी फुटेज को खंगालने से आरोपियों का सुराग मिला। जिसका पिछ्छ करते हुए राजनांदगांव, नागपुर मार्ग में लगे

बीमा कंपनी पर अर्थ दण्ड

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाजापुर जिले के श्री प्रेमसिंह जादौन को बीमा राशि का भुगतान करवाया। इस प्रकरण में बीमा कम्पनी ने फसल बीमा दावे के भुगतान में विलंब किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबंधित बीमा कम्पनी पर अर्थदण्ड रोपित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरसिंहपुर जिले के दाल मिल संचालक श्री नीलेश साहू को नियमानुसार मिलने वाली मण्डी शुल्क से छूट प्राप्त न होने के प्रकरण में समाधान करवाया। साथ ही इस तरह के लंबित मामलों में मण्डी फीस की प्रतिपूर्ति करवाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान

आँनलाइन में सागर जिले के एक प्रकरण में गुमशुदा बालिका की वापसी की कार्यवाही के लिए पुलिस प्रशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में अभियान संचालित कर ऐसे प्रकरणों में प्राथमिकता से की जाए। समाधान आँनलाइन के माध्यम से अनुपपुर जिले की आवेदक सरोजदेवी नामदेव को पेंशन प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लंबित पेंशन प्रकरण में शीघ्र कार्यवाही करने को कहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवपुरी जिले की छात्रा को प्रतिभा योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास जिले के छात्र श्री सुमित साहू को छात्रवृत्ति राशि का भुगतान करवाया। इस प्रकरण में संबंधित

प्रभारी प्राचार्य को निलंबित किया गया है।

समाधान आँनलाइन में प्रधानमंत्री आवास योजना में हितग्राही को दूसरी और तीसरी किश्त का भुगतान न किए जाने पर तत्कालीन एवं वर्तमान मुख्य नगरपालिका अधिकारी खरगौन को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गये। मुख्यमंत्री की पहल पर आवेदक श्री महेश राठौर को योजना की राशि प्राप्त हुई।

समाधान आँनलाइन में प्रकरण आने पर रीवा जिले के आवेदक श्री मनीष तिवारी के नलजल योजना से पानी न मिलने के आवेदन पर समाधान की कार्यवाही की गई। समाधान की कार्यवाही करते हुए जल निगम रीवा ने क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को दुरुस्त कर जल प्रदाय सुनिश्चित किया गया।

हरदा जिले के श्री मिथुन वर्मा द्वारा मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण योजना में अनुदान न मिलने की शिकायत की गई थी। समाधान आँनलाइन में प्रकरण आने पर हितग्राही को जिला पंचायत ने राशि का भुगतान कर दिया है। इस प्रकरण में जिला परियोजना प्रबंधक मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं मुख्य प्रबंधक अग्रणी बैंक हरदा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

ये जिले और विभाग रहे अव्वल मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान आँनलाइन कार्यक्रम में जन समस्याएं तत्परता से हल करने वाले जिलों, शासकीय विभागों और अधिकारियों को बधाई दी।



न्यूज गैलरी

डॉलर के मुकाबले रुपया 4 महीने के निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई। वैश्विक निवेशकों की शेयर बाजार में लगातार बिकवाली के बीच भारतीय रुपया मंगलवार (29 जुलाई) को अपनी गिरावट जारी रखते हुए 4 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 16 पैसे की गिरावट के साथ 86.83 पर खुली, जो इस साल 17 मार्च के बाद का सबसे निचला स्तर है। इस महीने अब तक रुपये में 1.2 प्रतिशत और इस साल में अब तक 1.4 प्रतिशत की गिरावट आई है।विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लगातार डॉलर मांग ने भारतीय रुपये पर भारी दबाव डाला है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने लगातार छठे सत्र में भारतीय शेयर बेचे हैं। सोमवार को विदेशी निवेशकों ने 6,082 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे, जो इस साल 30 मई के बाद से सबसे बड़ी बिकवाली है। इसी के साथ पिछले 6 सत्रों में वैश्विक फंडों ने 19,635 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। फिन्नेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी की ट्रेजरी प्रमुख और कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली के अनुसार, आईडीएफसी फस्ट बैक में हिस्सेदारी खरीद से जुड़े कुछ निवेश हुए, लेकिन ये भारी बिकवाली की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं थे। उन्होंने कहा, रुपये की आज की शुरुआत कमजोर रही और यह इस सप्ताह एक महीने के निचले स्तर 86.90 की ओर और गिर सकता है। भंसाली ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक रुपये में गिरावट रोकने के प्रयास कर रहा है।

नायरा एनर्जी ने माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ दाखिल की याचिका

नईदिल्ली। अमेरिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की ओर से महत्वपूर्ण सेवाओं को अचानक और एकतरफा बंद करने के विरोध में पेट्रोलिएम कंपनी नायरा एनर्जी ने उसके खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। कंपनी ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट ने अपने डाटा, टूलस और उत्पादों के उपयोग को प्रतिबंधित कर रहा है, जबकि इन सर्विसेज के लिए भुगतान कर लाइसेंस के तहत हासिल किया गया है। उसने एकतरफा निर्णय यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा मास्को पर लगाए गए प्रतिबंधों से प्रेरित बताया है।नायरा ने कहा, यह निर्णय पूरी तरह से माइक्रोसॉफ्ट द्वारा हाल ही में ईयू के प्रतिबंधों की एकतरफा व्याख्या पर आधारित है और भारत के ऊर्जा परिस्थितिकी तंत्र पर इसके प्रभाव के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा करता है। तेल शोधन और विपणन कंपनी ने कहा, माइक्रोसॉफ्ट ने बिना किसी अमेरिकी या भारतीय कानूनी आवश्यकता के नायरा एनर्जी से सर्विसेज वापस लेने का फैसला किया है। याचिका में अपने अधिकारों की रक्षा और सर्विस बहाली की मांग की है। इस महीने की शुरुआत में यूरोपीय संघ ने यूक्रेन के साथ युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ नए उपायों के तहत नायरा पर प्रतिबंध लगा दिए थे। यह गुजरात के वाडिनार में 2 करोड़ टन प्रति वार की क्षमता वाली तेल रिफाइनरी के साथ-साथ 6,750 से ज्यादा पेट्रोल पंपों का स्वामित्व और संचालन करती है।

कारोबार

आईएमएफ ने कहा- स्थिर विकास को मिलेगी गति

भारत में 2025-26 में आर्थिक वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली/आईएएनएस। आईएमएफ ने विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईओ) में कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर में इजाफा अप्रैल के पूर्वांनुमान की तुलना में अधिक बेहतर स्थिति को दर्शाता है। भारत के लिए आंकड़े और अनुमान वित्तीय वर्ष (स्त्रद्ध) के आधार पर प्रस्तुत किए जाते हैं। भारत में विकास अनुमान 2025 के लिए 6.7 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.4 प्रतिशत हैं।अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर को लेकर बड़ा दावा किया। आईएमएफ ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-2026 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। मजबूत उपभोग और सार्वजनिक निवेश को बढ़ावा मिलने से वृद्धि दर में इजाफा होगा। इससे देश में स्थिर विकास को गति मिलेगी। आईएमफ ने विश्व आर्थिक

परिदृश्य (डब्ल्यूईओ) में कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर में इजाफा अप्रैल के पूर्वांनुमान की तुलना में अधिक बेहतर स्थिति को दर्शाता है। भारत के लिए आंकड़े और अनुमान वित्तीय वर्ष (स्त्रद्ध) के आधार पर प्रस्तुत किए जाते हैं। भारत में विकास अनुमान 2025 के लिए 6.7 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.4 प्रतिशत हैं।आईएमएफ अनुसंधान विभाग के प्रमुख डेनिज इगन ने कहा कि भारत में वास्तव में काफी स्थिर विकास हुआ है।

इस वर्ष और अगले वर्ष के लिए 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर अप्रैल की तुलना में मामूली सुधार हुआ है। भारत के लिए इस अपेक्षाकृत स्थिर विकास का चालक यह तथ्य है कि सुधार की गति मजबूत उपभोग वृद्धि और सार्वजनिक निवेश को बढ़ावा दे रही है।उन्होंने कहा कि भारत के लिए यह जरूरी



होगा कि वह इस गति को जारी रखे और हाल ही में हमने जो अच्छा विकास प्रदर्शन देखा है उसे जारी रखे। भारत के लिए प्राथमिकताओं में रोजगार सृजन को बढ़ावा देना, श्रम बाजार में अधिक लचीलापन प्रदान करके, श्रमिकों को पुनः कौशल प्रदान करके कृषि क्षेत्रों से अतिरिक्त श्रम को खपाना शामिल होगा। साथ ही साथ बुनियादी ढांचे में निवेश जारी रखना

तथा व्यापार प्रतिबंधों को हटाना भी शामिल होगा।उन्होंने कहा कि दमध्यम अवधि में भारत को शिक्षा में निवेश जारी रखने, भूमि सुधार की दिशा में कदम उठाने, सामाजिक सुरक्षा जाल का विस्तार करने और लालफीताशाही को कम करने की आवश्यकता है, ताकि व्यवसाय बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उभरते बाजार और

विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में 2025 में वृद्धि दर 4.1 प्रतिशत और 2026 में 4.0 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।अप्रैल में किए गए पूर्वांनुमान के मुकाबले 2025 में चीन की वृद्धि दर को 0.8 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया गया है। आईएमएफ ने कहा कि 2026 में वृद्धि दर 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि कम प्रभावी टैरिफ दरों को दर्शाता है। आईएमएफ ने कहा कि 2025 के लिए वैश्विक विकास दर तीन प्रतिशत और 2026 में 3.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। 2025 के लिए पूर्वांनुमान अप्रैल 2025 के विश्व आर्थिक परिदृश्य के संदर्भ पूर्वांनुमान से 0.2 प्रतिशत अंक अधिक है और 2026 के लिए 0.1 प्रतिशत अंक अधिक है। वहीं उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर 2025 में 1.5 प्रतिशत और 2026 में 1.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इन शहरों में सबसे अधिक वेतन वृद्धि, मैकेनिक-मशीन ऑपरेटर क्षेत्र में ज्यादा नौकरी

तेजी से बढ़ रहे नए जमाने के उद्योग, चालू वित्त वर्ष में 11.3 फीसदी तक वेतन बढ़ाएंगी कंपनियां

दिल्ली/आईएनएस। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और इससे जुड़े बुनियादी ढांचा क्षेत्र में सबसे अधिक 11.3 फीसदी वेतन बढ़ने की उम्मीद है। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के क्षेत्र में 10.7 फीसदी, खुदरा में 10.7 फीसदी और एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) में 10.4 फीसदी वेतन बढ़ सकता है। चर्लू कंपनियों चालू वित्त वर्ष में 6.2 फीसदी से 11.3 फीसदी तक औसत वेतन वृद्धि कर सकती हैं। कुछ स्तरों पर यह वृद्धि 13.8 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है। टीमलीज सर्विसेज की रिपोर्ट के मुताबिक, कॉर्पोरेट्स कौशल प्रमाणन और प्रोत्साहन आधारित सहभागिता पर ध्यान केंद्रित कर कार्यबल रणनीतियों को नया स्वरूप दे रहे हैं। 23 उद्योगों और 20 शहरों के 1,308 व्यवसायों से बातचीत पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक, 11.3 फीसदी तक अनुमानित वेतन वृद्धि देश के रोजगार और वेतन परिदृश्य में बदलाव का



संकेत देती है। नए जमाने के उद्योग तेजी से बढ़ रहे हैं।इसलिए, मांग उन भूमिकाओं की ओर बढ़ रही है, जिनमें तकनीकी क्षमता के साथ तत्काल और प्रोत्साहन आधारित सहभागिता पर ध्यान केंद्रित कर कार्यबल रणनीतियों को नया स्वरूप दे रहे हैं। 23 उद्योगों और 20 शहरों के 1,308 व्यवसायों से बातचीत पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक, 11.3 फीसदी तक अनुमानित वेतन वृद्धि देश के रोजगार और वेतन परिदृश्य में बदलाव का

में 10.7 फीसदी, खुदरा में 10.7 फीसदी और एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) में 10.4 फीसदी वेतन बढ़ सकता है। उद्योगों में सर्वाधिक वेतन वृद्धि ईवी और इससे जुड़े बुनियादी ढांचे में इलेक्ट्रिकल डिजाइन इंजीनियर की होगी, जो 12.4 फीसदी हो सकती है। कंज्यूम ड्यूरेबल्स में इन-स्टोर डेमोंस्ट्रेटर वेतन में 12.2 फीसदी, एनबीएफसी

में रिलेशनशिप एगिजक्यूटिव में 11.6 फीसदी और रिटेल क्षेत्र में फैशन असिस्टेंट के वेतन में 11.2 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, पुणे में गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक का वेतन 13.8 फीसदी बढ़ सकता है। हैदराबाद में एसआईएस कार्यकारी के लिए 13.4 फीसदी वृद्धि की उम्मीद है। बंगलूरु में डाटा इंजीनियर का 12.9 फीसदी, मुंबई में इलेक्ट्रिकल डिजाइन इंजीनियर का 12.6 फीसदी और गुरुग्राम में सेल्स एगिजक्यूटिव का वेतन 12.4 फीसदी बढ़ सकता है। सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में बिक्री और विपणन भूमिकाओं में सर्वाधिक 9.9 फीसदी औसत वेतन वृद्धि होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्लू-कॉलर भूमिकाओं में मैकेनिक की सबसे अधिक 10.4 फीसदी मांग बढ़ी है। मटेरियल हैंडलर की 10 फीसदी, मशीन ऑपरेटर की 9.9 फीसदी और इलेक्ट्रीशियन की 9.3 फीसदी बढ़ी है।

कोटक म्युचुअल फंड ने लॉन्च किया 'कोटक एक्टिव मोमेंटम फंड'

मुंबई। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (कोटक म्युचुअल फंड) ने 'कोटक एक्टिव मोमेंटम फंड' लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो मोमेंटम थीम पर आधारित है। यह फंड कंपनी के

इन-हाउस विकसित मॉडल के आधार पर उन शेयरों की पहचान करता है जिनमें अर्निंग्स मोमेंटम हो, यानी जिनकी आय में वृद्धि हो रही हो। यह स्कीम 29 जुलाई 2025 से 12 अगस्त 2025 तक सार्वजनिक निवेश के लिए खुली रहेगी।

मोमेंटम निवेश का सामान्यतः

अर्थ है उन शेयरों में निवेश करना

जिनकी कीमतों में तेजी हो, उम्मीद

के साथ कि यह ट्रेड जारी रहेगा।

हालाँकि, यह सिर्फ कीमतों तक

सीमित नहीं होता। अर्निंग्स मोमेंटम

उन शेयरों पर ध्यान केंद्रित करता है

जिनमें आय में सुधार हो रहा हो

और जिनके बारे में विश्लेषकों की

राय सकारात्मक हो। कोटक

एक्टिव मोमेंटम फंड ऐसे कंपनियों

को लक्ष्य बनाता है जिनकी प्रति

शेयर आय (ईपीएस) बढ़ रही हो,

चाहे वो विश्लेषकों की ओर से

अपडेट और पुनः संतुलित

किया जाए।

इस फंड का पोर्टफोलियो मार्केट

कैप के आधार पर टॉप 250

शेयरों में से चुना गया है। कठोर

मानकों के माध्यम से कमजोर

शेयरों को बाहर किया जाता है।

इसका परिणाम 40डू50 उच्च

गुणवत्ता वाले शेयरों की एक

डायवर्सिफ़ाइड बास्केट के रूप में

सामने आता है, जिसे नियमित रूप

से अपडेट और पुनः संतुलित

किया जाएगा।

खेल, मनोरंजन

भारत महिला एशियाई कप के ग्रुप सी में जापान-वियतनाम और चीनी ताइपे अन्य टीमें

नई दिल्ली। जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है।

भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है। भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी आउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक

थीं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी।

इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी, जबकि क्वार्टर फाइनल में हारने वाली टीमें प्लेऑफ



में पहुंचेंगी, जहां इस वैश्विक प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए दो और स्थान दांव पर होंगे। जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है और इस तरह से

वह ग्रुप में सबसे कम रैंकिंग वाली टीम है। भारत के मुख्य कोच क्रिस्मिन छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की वृज्जिति में कहा, %मुझे लगता है कि हमारा ग्रुप काफी दिलचस्प है, लेकिन साथ ही काफी पेचीदा भी है। जापान एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। वियतनाम और चीनी ताइपे अच्छी टीम हैं। हम उनके साथ प्रतिस्पर्धा

कर सकते हैं तथा अनुकूल परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अब जबकि हम अपने प्रतिद्वंद्वियों को जानते हैं, तो हमें अपने मैत्री मैचों का चयन सोच-समझकर करना होगा और अच्छी तैयारी करनी होगी। एक इकाई के रूप में एकजुट रहना और अत्यास शिविरों में कड़ी मेहनत करना, हमें एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों का सामना करने और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए तैयार होने में काफी मददगार साबित होगा।% ग्रुप ए में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के साथ कोरिया गणराज्य, ईरान और फिलीपींस शामिल हैं। ग्रुप बी में उत्तर कोरिया, चीन, बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। चीन गत विजेता है और वह रिकार्ड 10वां

आयुष शेट्टी मकाऊ ओपन के क्वार्टर फाइनल में, ध्रुव-तनिषा भी अगले दौर में पहुंचे

मकाऊ। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनिट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। भारत के युवा खिलाड़ी सातवें वरीय आयुष शेट्टी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बुधवार को यहां चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को सीधे गेम में हराकर मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 डेबिमेंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनिट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। मिश्रित युगल में विश्व में 18वें स्थान पर काबिज और यहां



पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी भी आगे बढ़ने में सफल रही। इस भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के रत्चपोल मक्कासितोन और नट्टामोन लाइसुआन को 26 मिनिट तक चले मुकाबले में 21-10, 21-15 से हराया। पुरुष एकल में सतीश कुमार करुणाकरण का सफर समाप्त हो

गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के जस्टिन होह से 37 मिनिट में 19-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रथविका शिवानी गाडे की 34वीं रैंकिंग की जोड़ी चीनी ताइपे के वू गुआन झुन और ली चिया सिन से 37 मिनिट तक चले मुकाबले में 20-22, 17-21

कोको गॉफ की संघर्षपूर्ण जीत फर्नांडीज पहले दौर में बाहर

स्पোর্ट्स डेस्क। गॉफ ने हमवतन अमेरिकी डेनियल कोलिन्स के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट किए लेकिन वह आखिर में 7-5, 4-6, 7-6 (2) से जीत हासिल करने में सफल रही, जो फ्रेंच ओपन फाइनल के बाद उनकी पहली जीत है। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने तीन सेट तक चल कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन डब्ल्यूटीए टैनिस् टूर्नामेंट के आगले दौर में जगह बनाई लेकिन पिछले सप्ताह डीसी ओपन का खिताब जीतने वाली स्थानीय खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज पहले दौर में बाहर हो गईं। फर्नांडीज को ऑस्ट्रेलिया की माया जॉर्ड ने केवल एक घंटे 15 मिनिट में 6-4, 6-1 से हरा दिया।

विश्व की 24वें नंबर की इस खिलाड़ी ने रविवार को वाशिंगटन में अपने करियर का चौथा डब्ल्यूटीए खिताब जीता था और वह मॉन्ट्रियल में कोर्ट पर वापसी से पहले अतिरिक्त आराम की उम्मीद कर रही थीं। इसलिए उन्होंने हार के बाद इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम की आलोचना भी की। गॉफ ने हमवतन अमेरिकी डेनियल कोलिन्स के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट किए लेकिन वह आखिर में 7-5, 4-6, 7-6 (2) से जीत हासिल करने में सफल रही, जो फ्रेंच ओपन फाइनल के बाद उनकी पहली जीत है। चौथी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रैबा ने बियांका एंड्रैस्कू के टखने में चोट लगने के कारण मैच से हट जाने से तीसरे दौर में

टीवी इंडस्ट्री में बदल रही महिलाओं की स्थिति सराहनीय: नायरा बनर्जी

टेलीविजन अभिनेत्री नायरा बनर्जी ने छोटे पर्दे पर जेंडर भेदभाव से परे भूमिकाओं के बदलते स्वरूप पर बात की। उन्होंने महिला-केंद्रित शो की बढ़ती लोकप्रियता की सराहना की। हालांकि, अभिनेत्री का मानना है कि वास्तविक रूप से जिंदगी के गाड़ी के ये दोनों पहिए जरूरी हैं। नायरा ने कहा, सच्ची कहानियां दोनों जेंडर की भावनाओं को दिखाती हैं, क्योंकि परिवार और अच्छी कहानियां साझा अनुभवों पर बनती हैं।

उन्होंने बताया, पहले फिल्मों में महिलाएं सिर्फ सजावटी किरदार थीं। अब टीवी पर स्थिति उलट है, महिलाएं मुख्य भूमिकाओं में हैं और पुरुष पृष्ठभूमि में। मुझे लगता है कि दोनों को बराबर महत्व मिलना चाहिए। परिवार जोड़ों से बनते हैं और दोनों की भावनाएं मायने रखती हैं। टीवी भले ही महिलाओं को ज्यादा तवज्जो देता हो, लेकिन वास्तविक कहानियों में दोनों का योगदान जरूरी है।नायरा ने अपने नए म्यूजिक वीडियो 'मैं तेरी हूं' के बारे में भी बताया। इस गाने को अहान ने गाया और लिखा है। नायरा ने कहा, इस गाने के बोल 'मैं तेरी हूं' ने मुझे बहुत प्रभावित किया। छह महीने पहले मैंने इसे सुना और तुरंत पसंद कर लिया, लेकिन व्यस्तता के कारण शूटिंग नहीं कर पाई। बाद में जब यह गाना फिर से मेरे पास आया, मैंने तुरंत हामी भर दी।'दिव्या दृष्टि' फेम अभिनेत्री ने सच्चे प्यार की परिभाषा पर भी



बात की। उन्होंने कहा, आज के भावनात्मक रूप से नाजुक दौर में आत्म-प्रेम सबसे जरूरी है। मानसिक और शारीरिक शांति बनाए रखना महत्वपूर्ण है। मुझे प्यार और शादी का विचार पसंद है। दो लोग मिलकर जिंदगी बनाएं और दोस्तों की तरह एक साथ बूढ़े हों। मुझे उम्मीद है कि ऐसा प्यार आज भी मौजूद है।अभिनय करियर की बात करें तो नायरा ने 'दिव्या दृष्टि' में मुख्य भूमिका से लोकप्रियता हासिल की। इसके अलावा, वह 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 13' और 'बिग बॉस 18' में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवा चुकी हैं।

अहान पांडे-अनीत पट्टा की सैयारा को 11वें दिन तगड़ा झटका, पहली बार बुरी तरह गिरी कमाई

आशिकी 2 और हाफ गर्लफ्रेंड जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके निर्देशक मोहित सूरी की फिल्म सैयारा ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड बनाए हैं। किसी ने सोचा भी नहीं था कि सैयारा बॉक्स ऑफिस पर ऐसी जबरदस्त सुनामी लेकर आती। फिल्म यूं तो पहले ही दिन से छप्परफाड़ कमाई कर रही है, लेकिन अपनी रिलीज के 11वें दिन इसने अब तक की सबसे कम कमाई की है। आइए जानें फिल्म का कुल कारोबार। बॉक्स ऑफिस का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट स्कैनिलक की रिपोर्ट के मुताबिक, सैयारा की कमाई 11वें दिन यानी दूसरे सोमवार को धड़ाम से गिरी। एक दिन पहले ही 30 करोड़ की रिकॉर्ड कमाई करने वाली इस फिल्म की कमाई 11वें दिन सिंगल डिजिट में आ गई। इसने सिर्फ 9 करोड़ रुपये कमाए। सैयारा अब देशभर में 256.75 करोड़ रुपये कमा चुकी है। बता दें कि छावा के बाद सैयारा इस साल की दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म बन चुकी है। सैयारा ने रिलीज के 11वें दिन यानी अब तक का सबसे कम कारोबार किया है। भले ही यह 250 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गई है, लेकिन इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली विक्की कौशल की फिल्म छावा की 615.39 करोड़ रुपये की कमाई को पीछे छोड़ने के लिए सैयारा को 350 करोड़ का कारोबार करने की जरूरत होगी, जो कम से कम 11वें दिन की कमाई देख तो काफी मुश्किल लग रहा है। आगामी 1 अगस्त को अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2 आने से सैयारा के लिए कांटे की टक्कर पैदा हो सकती है। सन ऑफ सरदार 2 के साथ ही सिद्धांत चतुर्वेदी और तुषि डिमरी की धड़क 1 भी रिलीज हो रही है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इन 2 रिलीज से सैयारा की कमाई प्रभावित हो सकती है। अभी तक सैयारा मैदान में अकेले खेल रही थी, लेकिन अब 2 बड़ी फिल्में और रिलीज होने वाली हैं।



